समावर्तन
२०१५

MPM LIBRARY 102/01
10997

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर–२७३ ०१४ (उ.प्र.)
Web ; www.mpm.edu.in | **e-mail** : mpmpg5@gmail.com | **Phone** : 0551-2105416

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) 273014

ग्रन्थालय

परिग्रहण सं. 10997

आह्वान सं. .....

हमार सदा स्मरणाय बाधवाक्य ह। ाशक्षा पारषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन-अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की १६३२ ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित तीन दर्जन से भी अधिक शिक्षण-संस्थाओं में २५ हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् १६३२ ई. में गुरूदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए १६५७-५८ ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

गोरखपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा होने लगा था। १९२० ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और १९३०-३१ ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। १९१५-१६ ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से ४ फरवरी १९१६ ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरूष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए १९३२ ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूरदृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत १९३२ ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। १९३५ ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और १९३६ ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

१९४९-५० ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त १९५८ ई. में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। वर्तमान गोरखपुर विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय आज भी उसी महाराणा प्रताप डिग्री कालेज भवन में चल रहा है तथा उसी परिसर में विश्वविद्यालय का एम.बी.ए., शिक्षा शास्त्र एवं वाणिज्य संकाय का नवीन भवन भी स्थित है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में तीन दर्जन से अधिक शिक्षण संस्थाएँ गोरखपुर क्षेत्र में संचालित हो रहीं हैं। इनमें गोरखपुर में महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा बिहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी, पीपीगंज, पितेश्वरनाथ जूनियर हाईस्कूल भरोहिया, पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरू गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवा आश्रम जंगल धूसड़ आदि प्रमुख संस्थाएँ हैं। महराजगंज में गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय भी गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ

संसद सदस्य, लोकसभा
भारत

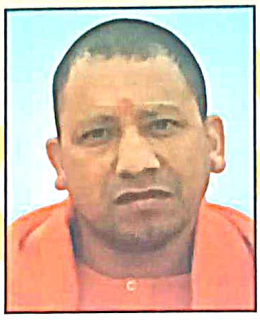

प्रबन्धक
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़

Dr. B
Ex. Vice
Poorvan

शुभकामना संदेश

शिक्षा में गुणवत्ता का गिरता स्तर उच्च शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। उच्च शिक्षा परिसरों में अराजकता, अपराधियों का बढ़ता प्रभाव, राजनीतिक दलों का सक्रिय हस्तक्षेप और शिक्षा संस्कृति का निरन्तर ह्रास गम्भीर चिंता का विषय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त, युगानुकूल और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा के प्रसार हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। उपर्युक्त विषम परिस्थितियों में चुनौती को स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना २००५ ई. में की गयी। शीघ्र ही इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। पूरे सत्र में १८० दिन पढ़ाई, १० फरवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने, सप्ताह में एक दिन की कक्षा छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़ाये जाने, सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ महाविद्यालय की प्रतिदिन की दिनचर्या शुरू करने, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन, सप्ताह में एक दिन स्वैच्छिक श्रमदान, विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन, विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, कक्षाध्यापन में अद्यतन तकनीकों का प्रयोग जैसे नये-नये प्रयोगों के साथ इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय ख्याति अर्जित की है।

छात्रसंघ की संरचना में नया प्रयोग एवं प्रशासनिक व्यवस्था में छात्र सहभाग की योजना प्रशंसनीय है। यदि ये प्रयोग सफल हुये तो निश्चय ही यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक महाविद्यालय के रूप में जाना जायेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उददेश्यों के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार का प्रयास भी सराहनीय है। 'गाउन' के स्थान पर भारतीय वेश-भूषा में 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन भी शिक्षा परिसर में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण प्रयास है। 'समावर्तन संस्कार' समारोह की सफलता एवं वर्तमान सत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा पूर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के पथ पर निरन्तर अग्रसर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मेरी हार्दिक शुभकामना।

(योगी आदित्यनाथ)
सचिव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
प्रबन्धक/सचिव, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

Dr. Bholendra Singh
M.Com. Ph.D.
Ex. Vice Chancellor
Poorvanchal University, Jaunpur

☎ 0551-2256934
Residence :
A-64, Surajkund Colony,
Gorakhpur-273 001

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। १९३२ ई. में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो श्रृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय दसवाँ वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके आठवाँ 'बैच' एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर चुके चतुर्थ 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रशंसनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ।

(भोलेन्द्र सिंह)
पूर्व, कुलपति
अध्यक्ष-महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

प्रो. यू. पी. सिंह

पूर्व कुलपति

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर (उ.प्र.)

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने १९३२ ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की श्रृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में १९५५ से १९५८ ई. तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारती संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के सप्तम् 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

(यू.पी. सिंह)

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार
कुलपति

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर-273009 (उ०प्र०) भारत

शुभकामना संदेश

युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला (सप्त दिवसीय, २७ अगस्त से २ सितम्बर २०१४) के उद्घाटन समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा मुझे आमंत्रित किया गया। मैंने आमंत्रण स्वीकार कर २७ अगस्त २०१४ को महाविद्यालय पहुँचा। यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि व्याख्यान-माला की तैयारी के साथ महाविद्यालय की सभी कक्षाएँ चल रही थीं। महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो.यू.पी. सिंह एवं प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ मैं महाविद्यालय के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण करने के उद्देश्य से कक्षाओं की ओर बढ़ गया। लगभग सभी कक्षाओं में गया। ४५ मिनट के इस निरीक्षण में महाविद्यालय में स्वच्छता और अनुशासन की अद्भुत झाँकी दिखी। घर की तरह साफ-सुथरा महाविद्यालय के भवन के फर्श, दीवाले, विशाल परिसर भी हो सकता है यह एहसास हुआ। एक भी विद्यार्थी टहलता नहीं दिखा, पुस्तकालय का वातावरण शान्त। बैठे शिक्षक-विद्यार्थी पठन-पाठन में ध्यानस्थ। हमारे प्रवेश करने पर कोई आपा-धापी नहीं। विद्यार्थी खड़े हुए और फिर बैठकर पढ़ने लगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश का कोई महाविद्यालय अपने सभी विद्यार्थियों को प्रतिदिन व्याख्यान के सारांश की छायाप्रति उपलब्ध कराकर पठन-पाठन कराता है, यह कल्पना नहीं थी। इस महाविद्यालय के प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों के पास व्याख्यान के सारांश की छायाप्रति उपलब्ध थी। कई कक्षाएँ पावर प्वाइंट द्वारा पढ़ाई जा रही थी। पठन-पाठन की गुणवत्ता पर पूछ-ताछ में यह प्रमाणित हुआ कि यहाँ सप्ताह में एक दिन कक्षा विद्यार्थी पढ़ाता है, विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन शिक्षक करते हैं, पूर्व नियोजित पाठ्यक्रम-योजनानुसार कक्षाएँ पढ़ाई ही जा रही थीं, शिक्षकों का मूल्यांकन विद्यार्थी भी करते हैं, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या, शिक्षक कार्यवृत्त का प्रतिमाह भरा जाना, शिक्षक आचार संहिता सब कुछ का आश्चर्यजनक ढंग से व्यवस्थित क्रियान्वयन। इसी बीच एक घंटी लगी और विद्यार्थी विशाल सभागार में बैठ गए। कार्यक्रम क्षण-अनुक्षण के अनुसार प्रारम्भ हुआ और वन्देमातरम् के साथ पूर्ण होते ही अगली घंटी लगी और विद्यार्थी कक्षाओं में। मानो अनुशासन एवं संस्कार में सधे विद्यार्थी किसी गुरुकुल की शोभा हों। अद्भुत-अद्वितीय।

समावर्तन संस्कार समारोह ऐसे महाविद्यालय की कार्य-संस्कृति का हिस्सा होगा, यह स्वाभाविक ही है। समावर्तन-संस्कार समारोह के अवसर पर स्नातक-स्नातकोत्तर की शिक्षा इस महाविद्यालय से पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों को यशस्वी जीवन की मेरी हार्दिक शुभकामना। एक प्रतिमान महाविद्यालय संचालित कर वर्तमान उच्च शिक्षण-संस्थानों को आइना दिखाने का कार्य कर रहे महाविद्यालय परिवार को भी मेरी हार्दिक बधाई।

प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार

☎ : 0551-2201577 (O), **Fax :** 2330767 (O), 0551-2340458 (R), **Fax :** 2340459 (R), **E-mail :** mamsjpr@gmail.com

प्रो. राम शंकर कठेरिया
राज्य मंत्री
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार

निवास :
43, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली-110
फोन : 0562-2527933
मोबाइल : 09412750008, 0901

शुभकामना संदेश

नई पीढ़ी के हाथों में ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है, ऐसा मेरा मानना है। मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वैश्वीकरण के फलस्वरूप देश के सामने खड़े सवालों को मात देने तथा उनका समाधान खोजने हेतु वर्तमान पीढ़ी के माध्यम से एक नयी शक्ति खड़ी हो, जो माँ भारती को विश्वगुरु बनाने के लिए दिशा निर्देश करे। गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, ऐसी ही युवा पीढ़ी का निर्माण करने में सदैव सफल रहे तथा यहाँ से शिक्षा ग्रहण करने वाले युवाओं में भारतमाता के प्रति अगाध श्रद्धा का निर्माण होता रहे, यही प्रार्थना है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के आठवें समावर्तन संस्कार समारोह से भारतमाता की सेवा का व्रत लेकर जाने वाली युवा शक्ति को मेरी हार्दिक शुभकामना। महाविद्यालय यशस्वी हो, अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सफल हो तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मानक बना रहे, इस हेतु ढेर सारी शुभकामनाएँ।

प्रो. राम शंकर कठेरिया

मुख्य अतिथि

प्रोफेसर राम शंकर कठेरिया

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में ९ नवम्बर, २०१४ से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे प्रो. राम शंकर कठेरिया १५वीं लोकसभा के भी आगरा से सांसद रह चुके हैं। आप का जन्म २१ सितम्बर, १९६४ को नगरियासरावँ, इटावा, उत्तर प्रदेश में हुआ था। बाल्यकाल से ही आप का झुकाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ हुआ तथा आप स्थानीय इकाई से सम्बद्ध हो गये। स्थानीय इकाई की देख-रेख में आप की प्रारम्भिक शिक्षा पूर्ण हुई। आप ने छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से शोध उपाधि प्राप्त किया। आप द्वारा आगरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में १३ वर्षों तक एक कुशल प्रचारक के दायित्वों का निर्वहन किया गया तथा वहीं से ही आप लोक सभा के लिए सांसद निर्वाचित हुए।

राजनीति में आने से पूर्व आप भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के हिन्दी विभाग में आचार्य के पद पर कार्यरत रहे। दलित चेतना आप के अध्ययन का केन्द्रीय विषय बना रहा। आप ने अनेकों कहानियां, उपन्यास एवं नाटक लिखे हैं। आप की प्रमुख रचनाएं इटावा जिले की बोलियाँ, दलित चेतना की आवश्यकता, सामाजिक चेतना की आवश्यकता एवं दलित साथी और नई चुनौतियाँ आदि हैं। आप का लगाव कबड्डी एवं फुटबाल खेलों से भी विशेष रूप से रहा है तथा आप आगरा क्लब, लायन क्लब एवं भारत विकास परिषद के भी सदस्य हैं। आप की रुचि के अन्य क्षेत्र सामाजिक समरसता, युवाओं को प्रेरित करना, ग्रामीण विकास तथा रोजगार सृजन के साथ ही धार्मिक क्षेत्रों का भ्रमण एवं पर्यटन भी हैं।

आप को अगस्त २०१४ में भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया तथा अक्टूबर २०१४ में आप को छत्तीसगढ़ एवं पंजाब राज्यों का प्रभारी बनाया गया।

१५वीं लोक सभा में आप २००९ से २०१४ तक शहरी विकास समिति, संसद पटल पर रखे जाने वाले दस्तावेज सम्बन्धी समिति तथा ग्रामीण विकास समिति के सदस्य रहे। अस्तु वर्तमान में भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था को पुनर्गठित करने एवं उसके संचालन का सफलतापूर्वक उत्तरदायित्व का निर्वहन आप कर रहे हैं। समावर्तन संस्कार समारोह २०१५ के मुख्य अतिथि के रूप में आपकी उपस्थिति से महाविद्यालय परिवार आह्लादित और गौरवान्वित है। सादर।

डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर

पूर्वमंत्री (उत्तर प्रदेश)
उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा
श्रम एवं सेवायोजन, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग
सदस्य, उ.प्र. कार्यसमिति, भाजपा
सदस्य, राष्ट्रीय कार्यसमिति, भाजपा

निवास :
15/3, स्टैनली रोड, ताशकन्द मार्ग
सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211001
फोन : 0532-240[illegible]16
मोबाइल : 94152140[illegible]

शुभकामना संदेश

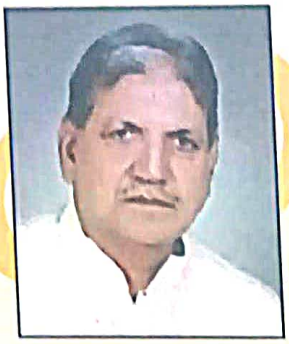

गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्वाधिक अग्रणी एवं प्रतिष्ठित संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित जंगल धूसड़ में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय देश के प्रतिष्ठित कुछ उच्च शिक्षण संस्थानों में एक है, जहाँ पाठ्यक्रमों के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति एवं समाज सेवा का पाठ पढ़ाया जाता है। मैं यह जानता हूँ कि इस क्षेत्र के लोगों के बीच महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर एक 'प्रतिमान' महाविद्यालय के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुका है। यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा की एक ऐसी प्रयोगशाला है, जहाँ अध्ययन-अध्यापन के नित-नूतन प्रयोग के साथ न केवल विद्यार्थी गढ़े जाते हैं अपितु यह आदर्श शिक्षकों की नर्सरी भी है। महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-सहभाग, शिक्षकों का विद्यार्थियों द्वारा मूल्यांकन, विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन तथा पावर प्वाइंट के माध्यम से शिक्षण का प्रयोग उच्च शिक्षा में निःसन्देह नये प्रतिमानों की स्थापना का सफल प्रयास ही है।

आत्म विस्मृति की शिकार भारतीय शिक्षा जगत में 'गाउन' की जगह भारतीय परिधान में 'समावर्तन संस्कार' का आयोजन भारतीय संस्कृति के जीवन-मूल्यों का युवा पीढ़ी को संदेश देने का एक अभिनव प्रयास है। महाविद्यालय परिवार को समावर्तन संस्कार समारोह के आयोजन एवं विद्यार्थियों के सफलतम जीवन की हार्दिक शुभकामना।

नरेन्द्र कुमार सिंह गौर

(डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर)
पूर्वमंत्री (उत्तर प्रदेश)

विशिष्ट अतिथि

प्रोफेसर (डा.) नरेन्द्र कुमार सिंह गौर

आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से बी.एस.सी., एम.एस-सी., डी.फिल. की उपाधि प्राप्त की। आप इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में १९६७ में प्रवक्ता नियुक्त हुये, रीडर, प्रोफेसर के पदों पर प्रोन्नति हुई तथा विश्वविद्यालय में ३४ वर्षों तक शिक्षक के रूप में कार्य किये। १९७५-१९७७ (दो वर्षों के लिए) विदेश-डेनमार्क, इटली एवं इंग्लैण्ड में पोस्ट डाक्ट्रेट रिसर्च के लिए गये।

आप बाल्यकाल से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे, इलाहाबाद में संघ के विभिन्न दायित्वों, सायं कार्यवाह, नगर कार्यवाह, महानगर कार्यवाह एवं प्रयाग कार्यवाह का निर्वहन किये, इसके अतिरिक्त सरस्वती शिशु मन्दिर, सरस्वती विद्या मन्दिर एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ सामाजिक गतिविधियों हेतु जुड़े रहे। आप इलाहाबाद विश्वविद्यालय अध्यापक संघ के महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश आवासीय विश्वविद्यालय शिक्षक महासभा का प्रदेश अध्यक्ष भी रहे।

इलाहाबाद शहर उत्तरी विधान सभा में कभी जनसंघ या भाजपा का प्रत्याशी नहीं जीता था, अत: भाजपा द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से आपको भाजपा में तथा चुनाव लड़ने की अनुमति मांगी गयी। तत्कालीन सर संघचालक मा. रज्जू भैय्या की अनुमति एवं आशीर्वाद से आप भाजपा में आये। आप पहली बार १९९१ में शहरी उत्तरी विधान सभा से चुनाव लड़े तथा विजयी हुये। १९९३, १९९६ एवं २००२ के विधान सभा चुनावों में शहरी उत्तरी सीट से लगातार दूसरी, तीसरी एवं चौथी बार विजयी हुये। १९९१-९२ में उत्तर प्रदेश में पहली बार भाजपा सरकार बनने पर आपको उच्च शिक्षा, श्रम एवं सेवायोजन मन्त्री का पद मिला, जिसे कुशलता एवं ईमानदारी के साथ निभाये। १९९७-२००२ में उत्तर प्रदेश में मा. मायावती, मा. कल्याण सिंह, मा. रामप्रकाश गुप्ता, मा. राजनाथ सिंह के साथ उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभागों के मन्त्री के रूप में कार्य किये।

उपलब्धियां

उच्च शिक्षा क्षेत्र में - शैक्षिक सत्र का विनियमितिकरण एवं शैक्षिक पंचाग का प्रभावी अनुपालन कराया

गया जिससे कि प्रदेश में विश्वविद्यालयों का सत्र नियमित हुआ, नये राजकीय एवं प्राइवेट महाविद्यालय खोले गये, शिक्षकों की नियुक्तियां की गई, तदर्थ शिक्षकों का नियमितीकरण किया गया, उच्च शिक्षा के विस्तार तथा प्रदेश में विद्यार्थियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए दुरस्थ शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत प्रदेश में पहला मुक्त विश्वविद्यालय ''उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त वि.वि.'' इलाहाबाद में स्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया। शिक्षा में गुणवत्ता पर विशेष बल दिया गया तथा कार्यकाल के दौरान ३८ नये राजकीय महाविद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया तथा छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा सुलभ कराने की दृष्टि से २४२ महाविद्यालयों को क्लियरेंस प्रदान किया गया, ५२० महाविद्यालयों को अस्थायी सम्बद्धता तथा ४१ महाविद्यालयों को स्थायी सम्बद्धता प्रदान की गयी, विश्वविद्यालयों तथा मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं शोध छात्रों को दी जाने वाली छात्र-वृत्तियों तथा वित्तीय सहायता की दरों में वृद्धि की गयी, तथा असेवित क्षेत्रों में महाविद्यालय खोलने हेतु निजी क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनुदान दिये जाने की योजना प्रारम्भ की गयी।

प्राविधिक शिक्षा - उ.प्र. में इंन्जीनियरिंग एवं मैनेजमेंट शिक्षा के निजी क्षेत्र में चलाने हेतु निर्णय लिया गया, प्रदेश में निजी इन्जीनियरिंग महाविद्यालयों के सम्बद्धीकरण, पाठ्य चर्चा विकास एवं परीक्षा नियन्त्रण इत्यादि के लिए उ.प्र. प्राविधिक विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी, जिसके कारण प्रदेश के हजारों छात्रों को प्रतिवर्ष तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला, तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने एवं तकनीकी शिक्षा के आधुनिक विषयों में महिलाओं को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से प्रदेश में ०४ राजकीय संस्थाओं के खोलने का निर्णय लिया गया। विकलांगों को स्वाबलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु कानपुर में राष्ट्रीय स्तर की संस्था डा. अम्बेडकर इन्स्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी फार हैन्डीकैप्ड स्थापित किया गया, औद्योगिक विकास को देखते हुए टेक्नीशियनों की भूमिका के बढ़े महत्व के सापेक्ष डिप्लोमा स्तर की प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि की गयी, निजी क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा अनापत्ति प्राप्त करके १७ डिप्लोमा स्तरीय संस्थायें प्रारम्भ की गयी।

चिकित्सा शिक्षा - प्रदेश में आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक शिक्षा को बढ़ाने हेतु प्रयास किया गया, कालेज/चिकित्सालय के शिक्षकों की कमी को दूर करने हेतु सेवानिवृत शिक्षकों को संविदा के आधार पर जब तक रिक्तियों पर नियमित नियुक्तियां नहीं हो जाती ६५ वर्ष तक कार्य करने की व्यवस्था की गयी, मेडिकल

कालेजों में सेवा सुविधाओं की दरों में संशोधन करके यह व्यवस्था की गयी कि इससे प्राप्त होने वाली धनराशि मेडिकल कालेजों द्वारा मरीजों के उपचार आदि की सुविधाओं पर व्यय की जायेगी।

श्रम एवं सेवायोजन - श्रमिकों को नियमित भुगतान तथा १४ वर्ष से कम आयु के बालकों को बालश्रम से रोकने हेतु उनके हित में कई कदम उठाये गये।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग - उ.प्र. में गन्ना किसानों के हित में ५ वर्ष में २५ रूपये प्रति कु. गन्ना का मूल्य बढ़ाया गया तथा गन्ना मूल्य का शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किया गया, भाजपा सरकार में प्रदेश में गन्ना किसान एवं मिल मालिक दोनों सन्तुष्ट रहे, किसानों का किसी प्रकार का आन्दोलन नहीं हुआ, उ.प्र. में भारत सरकार द्वारा गेसोहोल उत्पादन की पायलेट योजना स्वीकृति करायी।

विदेश में अध्ययन - विकसित देशों की तकनकी शिक्षा के अध्ययन के लिए आपके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल के तकनीकी शिक्षा मन्त्रियों एवं अधिकारियों का दल मई १९९८ में दो सप्ताह के लिए इंग्लैण्ड गया। आप कानपुर में पूर्व प्रधानमंत्री मा. अटल बिहारी बाजपेयी के मार्ग दर्शन में खोला गये डॉ. भीम राव अम्बेडकर इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी फार हैण्डीकैप्ड की तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए स्वीडेन गये।

आपके नेतृत्व में अधिकारियों का दल वर्ष २००१ में एक सप्ताह के लिए गन्ना शोध व तकनीकी विकास में उत्तर प्रदेश-आस्ट्रेलिया सहयोग की संभावनाओं का अध्ययन करने गया, आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहरों में ब्यूरो आफ शुगर एक्सपेरीमेन्ट स्टेशन (बी एस इ एस) का निरीक्षण किये। आस्ट्रेलिया की सम्पूर्ण चीनी का ब्यवसाय क्वीन्स लैण्ड शुगर लिमिटेड द्वारा किया जाता है, दल ने इसका अध्ययन किया, मकावो शुगर कार्पोरेशन, मिल रिफायनरी तथा गन्ना आपूर्ति की ब्यवस्था, किसानों के खेत, चीनी मिल, शोध केन्द्र, एवं चीनी विक्रय के साथ-साथ आस्ट्रेलिया में स्थित शुगर रिसर्च इन्स्टीटयूट (एस आर आई) का भी अध्ययन किया गया।

समावर्तन अतिथि

समावर्तन २००८

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **कर्नल बी.पी. सिंह,** ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर

समावर्तन २००९

अध्यक्षता : **प्रो. एन.एस. गजभिए,** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय,** उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन २०१०

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **श्री बसव राज पाटिल सेदम,** पूर्व सदस्य लोक सभा, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता, गुलबर्ग कर्नाटक

समावर्तन २०११

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **श्री पद्म सिंह,** महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश

समावर्तन २०१२

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **श्री आशीष जी,** अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

समावर्तन २०१३

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **डॉ. कृष्ण गोपाल,** सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली

समावर्तन २०१४

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति कलाधर शाही,** अ.प्रा.न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन २०१५

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **प्रो. राम शंकर कठेरिया,** राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
विशिष्ट अतिथि : **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर,** पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

दो शब्द...

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के दस वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का आठवाँ बैच स्नातक एवं चौथा बैच परास्नातक शिक्षा पूर्ण कर इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग सवा अरब लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के तीन वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया है। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई है। परिवार संस्था भी कमजोर हो रही है। गाँव विरान होते जा रहे हैं। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक हैं।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के साढ़े दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। मैकाले द्वारा प्रतिष्ठित शिक्षा नीति आज तक प्रभावी है और उसके उद्देश्य-'पाश्चात्य शिक्षा व विचारों के प्रभाव से ऐसे भारतीय पैदा करना जो

बौद्धिक दृष्टि से गुलाम हों'-को पूरा करने में ही लगी हुई है। 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक है। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के सत्ताधीशों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? हम अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है उनके प्रयासों को, कुछ शिक्षण संस्थानों में ही सही निष्फल कर सकते हैं और भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (१९३२ ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन गोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : २०१४-१५)

महाविद्यालय में पौधरोपण

पौधरोपण करती छात्राएं

४ जुलाई २०१४ को स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधरोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ५ पौधों का रोपण करके किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवायोजना के कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारियों तथा स्वयंसेवक एवं स्वंयसेविकाओं द्वारा भी पौधरोपण किया गया।

सत्रारम्भ

महाविद्यालय के शैक्षिक पंचाग के अनुसार १६ जुलाई से स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग दो एवं तीन तथा स्नातकोत्तर स्तर पर रसायन शास्त्र एवं प्राचीन इतिहास अन्तिम वर्ष की कक्षायें प्रारम्भ की गयी। १ अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर भाग एक की कक्षायें प्रारम्भ हुई।

डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा उद्‌बोधन

बाल गंगाधर तिलक एवं चन्द्रशेखर आजाद जयंती

२३ जुलाई २०१४ को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी बाल गंगाधर तिलक एवं चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती मनायी गयी। दो महान विभूतियों की जयंती पर इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह का उद्‌बोधन हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

जन संवाद में बोलते श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह

जन संवाद : गोरखपुर में एम्स की स्थापना

२९ जुलाई २०१४ को महाविद्यालय द्वारा 'गोरखपुर में एम्स की

स्थापना' विषय पर एक जनसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें चरगाँवा ब्लाक प्रमुख श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में दर्जन भर गावों के ग्राम प्रधान, ग्राम सभा सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार सम्मिलित हुए। जन संवाद में सभी लोगों द्वारा गोरखपुर में एम्स की मांग का समर्थन किया गया।

नवागन्तु स्वागत समारोह

नवागन्तुक स्वागत समारोह

२ अगस्त को प्रथम वर्ष के सभी छात्र एवं छात्राओं के स्वागत हेतु द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्वागत समारोह में रैगिंग जैसी अमानवीय कृत्यों से विगत वर्षों की भाँति परिसर वातावरण को अक्षुण्ण बनाये रखने का संकल्प लिया गया। समारोह का आयोजन महाविद्यालय के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

गोस्वामी तुलसीदास एवं मैथली शरण गुप्त की जयंती

२ अगस्त २०१४ की पूर्व संध्या पर श्री रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास तथा हिन्दी जगत के ख्यातिलब्धि विद्वान मैथली शरण गुप्त की जयंती मनायी गयी। इसी अवसर पर १ अगस्त को नागपंचमी का अवकाश होने के कारण भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के महानायक बाल गंगाधर तिलक की पूर्णतिथि भी मनायी गयी।

रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती

भारत के महान् कवि, देशभक्त व दार्शनिक रविन्द्रनाथ टैगोर की जयंती ७ अगस्त २०१४ को समारोह पूर्वक मनायी गयी। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय परिवार द्वारा उनकी पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

अगस्त क्रान्ति : भारत छोड़ो आन्दोलन

८ अगस्त १९४२ को कांग्रेस कार्य समिति द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन का प्रस्ताव पारित कर दिया गया था। उन्हीं क्षणों की स्मृति को महाविद्यालय परिवार ने प्रातः प्रार्थना सभा में महसूस किया गया।

काकोरी कांड

महाविद्यालय परिवार द्वारा ६ अगस्त, २०१४ को काकोरी कांड (६ अगस्त १९२५) के शूरमाओं अशफाकउल्ला

खान, राजेन्द्र लाहिड़ी, रामप्रसाद विस्मिल, योगेश चटर्जी आदि को याद करते हुए प्रार्थना सभा में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

काव्य पाठ करता विद्यार्थी

खुदी रामबोस बलिदान दिवस

३० अप्रैल १६०८ में किंग जार्जफोर्ड की बग्घी पर बम फेंकने के कारण अंग्रेजी सरकार द्वारा ११ अगस्त १६०८ को मात्र १६ वर्ष की उम्र में खुदी राम बोस को मुजफ्फरपुर जेल में फाँसी दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा काव्य पाठ का योजना किया गया तथा कार्यक्रम के अन्त में उनके बलिदान को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर भाषण प्रतियोगिता

अमर शहीद बंधु सिंह बलिदान दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा १२ अगस्त २०१४ को अमर शहीद बंधु सिंह बलिदान दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में श्री सिद्धार्थ द्विवेदी को प्रथम, सुश्री ममता शर्मा को द्वितीय एवं सुश्री आराधना वर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान

देश विभाजन की पूर्व सन्ध्या पर व्याख्यान

देश विभाजन की पूर्व सन्ध्या पर १३ अगस्त को प्रतिवर्ष की भाँति 'भारत विभाजन के गुनहगार कौन' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसके मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. राजवंत राव रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार राव तथा संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

शिक्षक संघ चुनाव

१४ अगस्त को महाविद्यालय में शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष श्री सुभाष कुमार गुप्ता, महामन्त्री श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी एवं कोषाध्यक्ष श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय निर्वाचित हुए। चुनाव में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने मतदान किया। चुनाव अधिकारी प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह रहे।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

स्वतन्त्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व १५ अगस्त को महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत देश-प्रेम से ओत-प्रोत प्रस्तुतियाँ एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूकता से सम्बन्धित कार्यक्रमों के पश्चात् वन्देमातरम् के साथ समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिनीत ने किया।

महर्षि अरविंद जयंती, रामकृष्ण परमहंस महासमाधि एवं मदन लाल दींगरा पुण्यतिथि

१६ अगस्त २०१४ को महाविद्यालय में महर्षि अरविंद की जयंती (१५ अगस्त, २०१५), रामकृष्ण परमहंस (१६ अगस्त, २०१५) की पुण्यतिथि व भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के महान् क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी।

सद्भावना दिवस पर श्रीमती कविता मन्ध्यान का उद्बोधन

सद्भावना दिवस

२० अगस्त २०१४ को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सद्भावना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकांत सिंह ने आभार व्यक्त किया।

छात्रसंघ साधारण सभा

साधरण सभा

छात्रसंघ साधारण सभा की बैठक २२ अगस्त को हुई। साधारण सभा में छात्रसंघ की महामंत्री सृष्टि सिंह ने २०१३-१४ सत्र के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। आय का ८० प्रतिशत व्यय वर्तमान सत्र में प्रतिदिन की कक्षाओं में दिये जाने वाले सारांश की छायाप्रति फोटोकापी मशीन, प्रोजेक्टर, वाटर प्यूरीफायर आदि पर व्यय करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गयी। साधारण सभा ने १५ सितम्बर को छात्रसंघ चुनाव की तिथि निर्धारित की तथा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि छात्रसंघ शिक्षण संस्थानों के रचनात्मक प्रयोग का हिस्सा होना चाहिए।

रास बिहारी बोस जयंती

२५ अगस्त को देश की स्वतंत्रता के स्वप्न को देखने वाले और उसे साकार करने वाले क्रांतिकारियों में से एक रास बिहारी बोस की जयंती मनायी गयी। महाविद्यालय परिवार ने रास बिहारी बोस की जयंती के अवसर पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

योगीराज बाबा गंभीरनाथ छात्रावास का पूजन

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ को ''योगीराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम'' नाम से निर्मित ४० सीटों का छात्रावास २५ अगस्त २०१४ को गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं सदर सांसद परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने समर्पित किया। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज परिसर से सेट लगभग २-१/२ एकड़ के अलग परिसर में निर्मित छात्रावास भवन का वैदिक विधि-विधान से शुभमुहूर्त में पूजन हुआ। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, शिक्षक, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

छात्रावास भवन पूजन

रानी पद्मिनी द्वारा जौहर व्रत

२६ अगस्त को रानी पद्मिनी के त्याग, समर्पण एवं जौहर व्रत (बलिदान) को याद करते हुए महाविद्य परिवार ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

व्याख्यान माला के उद्घाटन सत्र में अतिथि

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थाप ब्रह्मलीन म दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस भी २७ अगस्त से ०२ सितम्बर तक साप्ताहिक व्याख्यान माला आयोजन किया गया। २७ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान मा के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरख विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. अशोक कुमार रहे। कार्यक्र की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रद कुमार राव ने किया तथा संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने की।

व्याख्यान माला : २८ अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान माला के दूसरे दिन के अतिथि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एसोसिए प्रोफेसर डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि दुनिया में आज ' नैनोटेक्नॉलॉजी' ने क्रांति ला दी है। यह टेक्नालाजी इस बा का प्रमाण है कि शक्ति वस्तु के आकार पर नहीं उसके गुण धर्मों में निहित है। एक कमरे के कम्प्यूटर को इ तकनीक ने आज जेब में ला दिया है। डॉ. सत्यपाल सिंह ने नैनो टेक्नोलाजी के विविध आयामों पर बोलते हुए प्रोजेक्टर से विविध चित्रों के माध्यम से अपनी बात रखी। स्मृति व्याख्यान माला के द्वितीय सत्र में "भारत में स्त्री का साम्पत्तिक अधिकार" विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. टी.एन. मिश्र ने कहा कि प्राचीन भारतीय समाज नारियों के अधिकार की दृष्टि से भी स्वर्ण युग रहा है। व्याख्यान का संचालन श्री शुभम दूबे ने तथा आभार डॉ. अमित कुमार मिश्रा ने किया।

व्याख्यान माला के दूसरे दिन अतिथि

राष्ट्रीय खेल दिवस

हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिन २९ अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है महाविद्यालय परिवार ने प्रार्थना सभा में मेजर ध्यान चन्द के हाकी जगत में दिये गये महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

व्याख्यान माला : २९ अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान माला के तीसरे दिन के मुख्य अतिथि बी. आर.डी. मेडिकल कालेज के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. राजकिशोर सिंह व किसान पी.जी. कालेज सेवरही के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय थे। डॉ. राजकिशोर सिंह ने ''एम्स: क्यों और किसको'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए न केवल रोगों का निदान आवश्यक है, बल्कि उनके कारण और बचाव की जानकारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए गोरखपुर में एम्स न केवल आवश्यक है बल्कि अपरिहार्य है। व्याख्यान माला के दूसरे सत्र में डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने 'पुस्तक कैसे पढ़े' उद्‌बोधन देते हुए विषय पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा पढ़ने की कला जीवन संस्कृति का हिस्सा है। हमारे भीतर ज्ञान की भूख जानने की ललक व दृढ़ इच्छा शक्ति होनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन छात्र श्री ऋषिकेश व आभार ज्ञापन वाणिज्य संकाय के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ल ने किया।

व्याख्यान माला : ३० अगस्त

दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला के चौथे दिन बुद्ध पी.जी. कालेज कुशीनगर के एसोसिएट प्रो. डॉ. सतीशचन्द द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने ''पूर्वी उत्तर प्रदेश का आर्थिक विकास : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ'' विषय पर अपना विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवस्थापना सम्बंधी सुविधाओं का अभाव, रोजगारपरक शिक्षा का न होना, सड़क, बिजली पानी का समुचित प्रवंध न होना तथा लचर कानून व्यवस्था के कारण इस क्षेत्र का

व्याख्यान माला में अतिथि

विकास पूरी तरह अवरूद्ध हो गया है। इस क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योग, चीनी मिलों की स्थापना, हथकरघा उद्योग, पर्यटन केन्द्र विकसित करने की आवश्यक है। द्वितीय सत्र में उद्‌बोधन देते हुए डॉ. दिनेश सिंह ने "भारतीय चिकित्साशास्त्र का उद्‌भव एवं विकास" विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। इस विषय पर बोलते हुए उन्होंने प्राचीनकाल में भारत चिकित्सा के क्षेत्र में किस प्रकार दुनिया में शिखर पर था। उस समय चिकित्साशास्त्र की कल्पना तक विकसित नहीं हुई थी। तब हम औषधि विज्ञान के विद्यालय चलाते थे। कालांतर में शासकीय सहयोग के अभाव एवं भारत की गुलामी से इस विद्या का ह्रास और पतन हुआ। आयुर्वेद में आज भी विकास की संभावनाएँ हैं। कार्यक्रम का संचालन अभिनीत शर्मा ने तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य संकाय प्रवक्ता श्री नंदन शर्मा ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. ए.के. सिंह

व्याख्यान माला : ३१ अगस्त

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन 'भारतीय मीडिया : नई सदी नया परिपेक्ष्य' विषय पर अपना विचार व्यक्त करते हुए डी.ए.वी. कालेज, कानपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि २१वीं सदी की मीडिया का स्वरूप पूरी तरह से बदल चुका है। नयी सदी की मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से काफी आगे निकलकर राज्य और समाज के सभी अंगों को एक्सिलरेट (त्वरक) करने का काम कर रही है। सभी जन माध्यमों का फ्यूजन होकर इंटरनेट अब केन्द्रीय भूमिका में है। सोशल साइट्स जनमाध्यमों के समांतर प्रसारण के केन्द्र बन चुके हैं। व्याख्यान माला में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर स्थित पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ए.के. सिंह ने 'संचार सिद्धांत के व्यावहारिक उपयोग एवं महत्व' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि वर्तमान में व्यक्ति को कई जगह पर विविध टापिक्स पर संचार माध्यमों से जुड़ने की जरूरत पड़ती है। कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक कुमार भारती ने और आभार ज्ञापन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

महर्षि दधीचि जयंती

भारतीय पंचाग के अनुसार भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की अष्टमी १ सितम्बर को महर्षि दधीचि की जयंती मनाई गई। भारतीय सनातन परंपरा को जीवित रखने वाले ऐसे ऋषि को महाविद्यालय परिवार ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

व्याख्यान माला : १ सितम्बर

व्याख्यान माला में अतिथि

साप्ताहिक स्मृति व्याख्यान माला के छठवें दिन 'वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कला संकाय के संकायाध्यक्ष एवं साहित्यकार डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि भारत में आधुनिक सामाजिक, धार्मिक परिवर्तन की आधारशिला भक्ति के लोक जागरण अभियान ने रखी। भक्तिकाल भारत के सामाजिक इतिहास का 'मील का पत्थर' है। इसी भक्ति आंदोलन की आधारशिला पर आधुनिक भारत का पुनर्जागरण युग खड़ा हुआ। व्याख्यान माला के दूसरे अतिथि सकलडीहा पी.जी. कालेज, चंदौली के रक्षा अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजेन्द्र सिंह ने "राष्ट्रीय सुरक्षा : वर्तमान चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारत की बाह्य एवं आंतरिक सुरक्षा के समक्ष सेनाओं से अधिक चुनौती आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा की है। भारत को अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ आंतरिक स्तर पर सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने होंगे। कार्यक्रम का संचालन श्री अमित गुप्ता तथा आभार ज्ञापन डॉ. शुभांशु शेखर सिंह ने किया।

व्याख्यान माला समापन समारोह : २ सितम्बर

व्याख्यान माला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. रामअचल सिंह व दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति-शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सी.बी. सिंह रहे। प्रो. सी.बी. सिंह ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ ने एक प्रकाश स्तंभ की भांति भारतीय समाज का मार्गदर्शन किया। उनकी दृष्टि आधुनिक तथा सोच वैज्ञानिक थी। वे अतीत का गौरव वर्तमान की पीड़ा और भविष्य की स्पष्ट संकल्पना के धनी थे। शिक्षा में मौलिक परिवर्तन की आवश्यकता है जब तक पाठ्यक्रमों में भारत के महापुरूषों, भारत की सांस्कृतिक परम्परा, जीवन मूल्य समाहित नहीं होंगे तब तक भ्रष्टाचार मुक्त और विकसित भारत का निर्माण एक सपना ही रहेगा। प्रो. रामअचल सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति, समाज, राष्ट्र, ग्रह नक्षत्र आदि का अपना गुरूत्व होता है और जब यह गुरूत्व समाप्त

व्याख्यान माला समापन समारोह

हो जाता है तो वह व्यक्ति समाज राष्ट्र का अस्तित्व भी समाप्त हो जाता है। इसी तरह भारत का गुरूत्व हिन्दुत्व है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक युगपुरूष व महंत दिग्विजयनाथ जी यही मानते थे और उन्होंने अपना पू जीवन हिन्दुत्व को समर्पित कर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह व आभार ज्ञापन प्राचा डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

दादा भाई नौरोजी एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की जयंती

महाविद्यालय में ४ सितम्बर को दादा भाई नौरोजी की जयंती मनायी गयी। महाराष्ट्र के खड़क ग्राम में ४ सितम्बर १८२५ ई. को एक पारसी परिवार में इस महान व्यक्तित्व का जन्म हुआ। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक ड्रेन ऑफ वेल्थ'' के माध्यम से उन्होंने पहली बार भारत से धन के बर्हिगमन की बात जनता के सामने रखी। उसी दिन भारत रत्न से सम्मानित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की जयंती की पूर्व संध्या पर उनके जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया तथा महाविद्यालय परिवार ने दोनों महान व्यक्तित्व को भावयुक्त श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

संगोष्ठी में संतगण एवं अतिथि

गोरखनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन दिग्विजयनाथ स्मृति संगोष्ठी

गोरक्षपीठ द्वारा गोरखनाथ मंदिर में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी की पुण्यतिथि के अवसर पर ५ सितम्बर को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर विभिन्न प्रांतों से पधारे महंत एवं विद्वानों ने ''निर्मल गंगा अविरल गंगा'' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लखनऊ एवं रीवा विश्वविद्यालय के पूव कुलपति प्रो. देवेन्द्र प्रताप सिंह थे।

गोविंद वल्लभ पंत, आचार्य विनोबा भावे व महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि

महाविद्यालय में हिन्दी जगत के प्रतिष्ठित कवियों में से एक महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि, भारतीय राष्ट्रवादी चिंतकों में से एक गोविन्द वल्लभ पंत व आचार्य विनोबा भावे की पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम का आयोजन १० सितम्बर २०१४ को किया गया, साथ ही इन्हें भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गयी।

ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति श्रद्धांजलि सभा

विमर्श पत्रिका का विमोचन

११ सितम्बर को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की स्मृति में गोरक्षपीठ द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा लगभग तीन दर्जन से अधिक शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद थे। सभी शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यों द्वारा अपने-अपने शिक्षण संस्थान की तरफ से श्रद्धा सुमन अर्पित किए गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक कुमार सहित विभिन्न पीठों के महंत एवं संतगण उपस्थित थे। इस अवसर पर महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'विमर्श' का विमोचन हुआ।

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा

महाविद्यालय में १३ सितम्बर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राजनीति शास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा महाविद्यालय परिवार द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को अन्तिम विदाई

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् एवं महाविद्यालय के अध्यक्ष ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी के ब्रह्मलीन होने के कारण महाविद्यालय में अवकाश होने के कारण तथा आपात परिस्थितियों में १४ सितम्बर को आयोजित होने वाला हिन्दी दिवस कार्यक्रम एवं १५ सितम्बर को छात्रसंघ चुनाव स्थगित कर दिया गया।

गोरखनाथ मंदिर पर जनता दर्शन में महाविद्यालय के सभी छात्र, शिक्षक, कर्मचारी पहुँचकर महाविद्यालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महाराज जी का अंतिम दर्शन करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। १४ सितम्बर को गोरक्षनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन महाराज जी के समाधिस्थ होने पर सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार उपस्थित होकर उन्हें अंतिम विदाई दिया।

विश्व-ओजोन दिवस एवं विश्वकर्मा जयंती

पराबैंगनी किरणों की बढ़ती मात्रा से चर्म कैंसर, मोतियाबिंद के अलावा शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। यही नहीं इसका असर जैविक विविधता पर भी पड़ता है, और कई फसलें नष्ट हो सकती है उक्त

जानकारी 'विश्वओजोन दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में सुबोध कुमार मिश्र ने १६ सितम्बर को प्रार्थना पत्र में दी। १७ अगस्त को महाविद्यालय में अवकाश होने के कारण १७ अगस्त की पूर्व संध्या पर सृजन/शिल्प शास्त्र के देवता विश्वकर्मा पूजा के पर्व की महत्ता से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

गुरू-नानक देव पुण्यतिथि

महाविद्यालय की प्रातः प्रार्थना सभा में २२ सितम्बर को गुरू नानक देव की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके व्यक्तित्व से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया तथा महाविद्यालय परिवार ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

महाविद्यालय में २४ सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें बतौर मुख्य वक्ता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने स्वयंसेवक/सेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रम का काम न करने के कारण व्यक्ति असाध्य बीमारियों से ग्रसित हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकांत सिंह ने तथा आभार ज्ञापन श्रीमती कविता मन्ध्यान, (वरिष्ठ राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम) ने किया। इस अवसर पर स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में श्रमदान भी किया गया।

महाराजा अग्रसेन जयंती एवं दीनदयाल उपाध्याय जयंती

२५ सितम्बर को लोकमंगल भावना से युक्त इन दोनों मनीषियों की जयंती महाविद्यालय में मनायी गयी। इनकी जयंती के अवसर पर इनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया तथा महाविद्यालय परिवार ने उन दोनों महान् विभूतियों को अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किये।

राजा राममोहन राय की पुण्यतिथि एवं सरदार भगत सिंह की जयंती

२७ सितम्बर को महाविद्यालय में प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक व समाजसुधारक राजा राममोहन राय की पुण्यतिथि तथा २८ सितम्बर को महाविद्यालय में अवकाश होने के कारण २७ सितम्बर की पूर्व संध्या पर ही सरदार भगत सिंह की जयंती मनायी गयी। राजा राममोहन राय एवं भगत सिंह के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया साथ ही इन दोनों महान विभूतियों को महाविद्यालय परिवार द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गयी।

स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्येक शनिवार की भाँति २७ सितम्बर को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवक प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया गया।

श्रमदान करते विद्यार्थी

कार्यशाला : राष्ट्रीय सेवा योजना

२८ सितम्बर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने स्वयं सेवक स्वयं सेविकाओं को संबोधित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि १९५० में प्रथम शिक्षा आयोग ने छात्रों द्वारा स्वेच्छा से राष्ट्र सेवा के कार्य की संस्तुति की। शिक्षा आयोग की संस्तुति पर प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने डॉ. सी.डी. देशमुख की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जिसका उद्देश्य स्नातक स्तर के छात्रों को अनिवार्य रूप से राष्ट्रसेवा के कार्यों में लगाए जाने की संभावनाओं का पता लगाना था। कार्यशाला में स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने अपने पूर्व वर्ष के अनुभवों को नवांगतुक स्वंय सेवक/स्वयं सेविकाओं के साथ साझा किया।

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयंती

२६ सितम्बर को हर्षोल्लास से महाविद्यालय में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर की जयंती मनायी गयी। अमूल्य प्रतिभा के धनी भारत के इस महान समाज सुधारक का जन्म बिहार के करमटाड़ नामक स्थान पर २६ सितम्बर १८२० को हुआ था। एक महान समाज सुधारक द्वारा बाल विवाह पर रोक व विधवा विवाह का उद्घोष समाज में देखने को मिलता है। बंगाल के पुर्नजागरण के ये आधार स्तम्भ माने जाते हैं। इन्होंने ५२ ग्रंथों की रचना की। महाविद्यालय में इनकी जयंती के उपलक्ष्य पर उनके जीवन के आदर्शों व मूल्यों की संक्षिप्त चर्चा करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

कठपुतली कार्यशाला का उद्घाटन

विज्ञान में मस्ती भरी कठपुतली कार्यशाला का उद्घाटन

विज्ञान और दर्शन की कठिन बातों को लोक जीवन तक पहुँचाने में लोक कला एक सशक्त माध्यम है। इसी को चरितार्थ

करता हुआ महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा ६ दिवसीय कार्यशाला (विज्ञान में मस्ती भरी कठपुतली कार्यशाला) का उद्घाटन एम.एम.एम.यू.टी. के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने १ सितम्बर २०१४ को किया। प्रो. सिंह ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है, उत्पादन, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और तकनीकी विकास का युग है। अत: भारत को भी ज्ञान की खोज आधारित बनाना होगा। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. यू.पी. सिंह (जौनपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति) ने कहा कि विज्ञान जिज्ञासा, अध्ययन, प्रयोग परीक्षण और निष्कर्ष से होकर प्रतिष्ठित होता है। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने एवं आभार डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

स्वच्छता अभियान में विद्यार्थी

गाँधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर श्रमदान

महाविद्यालय द्वारा २ अक्टूबर को महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात् 'स्वच्छ भारत' अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी ग्राम मंझरिया के लिए प्रस्थान किये। हाथ में जन जागरण हेतु स्लोगन लिखी पट्टिकाओं, बैनर के साथ मंझरिया गाँव में जन जागरण यात्रा पूर्ण कर गाँव में स्वच्छता अभियान प्रारम्भ किया। 'अपना घर अपना गाँव स्वच्छ रखें' शीर्षक से छपा पर्चा घर-घर वितरित किये गये। गॉव, गली घर की सफाई रखे और 'स्वस्थ तन स्वस्थ मन' का विकास करे ऐसी जन जागरूकता के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा श्रमदान शिविर आयोजित किया गया।

प्राथमिक उपचार केन्द्र का उद्घाटन

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ प्राथमिक उपचार केन्द्र का उद्घाटन

केन्द्र सरकार के 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ्य भारत अभियान के तहत गोरक्षपीठ द्वारा स्वच्छता के साथ-साथ नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ प्राथमिक उपचार केन्द्र' की ४ अक्टूबर को स्थापना की गई। इस केन्द्र का उद्देश्य नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे उद्गार महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा व्यक्त किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण भी वहाँ मौजूद थे। ६ मार्च २०१५ तक प्राथमिक उपचार केन्द्र पर १८४५ ग्रामवासी उपचार करा चुके हैं।

समापन समारोह : विज्ञान में मस्ती भरी कठपुतली कार्यशाला

६ अक्टूबर को विज्ञान में मस्ती भरी कठपुतली कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ईश्वरदास व मुख्य वक्ता समाजशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मानवेन्द्र सिंह रहे। प्रो. ईश्वरदास ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। आभार ज्ञापन कार्यशाला की संयोजिका महाविद्यालय के भौतिक विभाग की प्रभारी मनीता सिंह ने किया।

कठपुतली कार्यशाला का समापन

छात्रसंघ चुनाव के विजयी पदाधिकारी

छात्रसंघ चुनाव

महाविद्यालय में १८ अक्टूबर, २०१४ को प्रतिवर्ष की भाँति छात्र संघ चुनाव, राजनीति विभाग के प्रभारी तथा छात्रसंघ चुनाव अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर श्री किसन देव निषाद, उपाध्यक्ष पद पर सुश्री मनीषा सिंह एवं महामंत्री पद पर श्री आशीष राय का निर्वाचन हुआ।

जतीन्द्रनाथ दास जयंती

२७ अक्टूबर को महाविद्यालय में जतीन्द्रनाथ दास की जयंती का आयोजन हुआ। जिसमें महाविद्यालय परिवार द्वारा उन्हें भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

यातायात नियंत्रण सप्ताह २६ अक्टूबर-१ नवम्बर

महाविद्यालय में यातायात नियंत्रण सप्ताह मनाया गया जिसमें छात्र/छात्राओं को यातायात सम्बन्धी नियमों की जानकारी विभिन्न

यातायात नियंत्रण सप्ताह

विशेषज्ञों के माध्यम से दी गयी तथा १ नवम्बर को यातायात नियंत्रण सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय परिसर से होते हुए जंगल धूसड़ (भट्ट चौराहा) पहुँची वहाँ रोड पर स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा आने जाने वाले लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के टिप्स दिये गये। इसके बाद रैली वापस महाविद्यालय परिसर पहुँच कर समाप्त हुई।

डॉ. अविनाश प्रताप सिंह द्वारा उद्‌बोधन

सरदार वल्लभ भाई पटेल (जयंती) एवं इन्दिरा गाँधी बलिदान दिवस

३१ अक्टूबर का दिन भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अंकित लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। महाविद्यालय परिवार ने भी सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती तथा 'आइरन लेडी' के नाम से प्रसिद्ध भगत की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इन्दिरा गांधी के बलिदान दिवस पर दोनों महान विभूतियों को याद किया गया तथा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

गुरू नानक एवं महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती

क्रांतिदर्शी प्रचण्ड रूढ़िवाद विरोधी एवं युग पुरूष गुरूनानक की जयंती व महाराष्ट्र के सुप्रसिद्ध समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती को महाविद्यालय में ६ नवम्बर २०१४ को हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर उन्हें महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ की बैठक

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ की बैठक 6 नवम्बर, 2014 को सम्पन्न हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने बैठक की। सदस्यों में प्रो. राम अचल सिंह सहित सभी सदस्य उपस्थित थे। बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया।

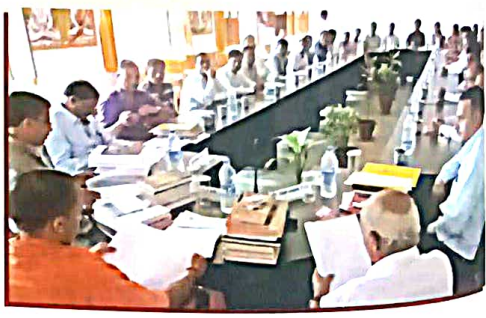
आई.क्यू.ए.सी. की बैठक

विपिन चन्द्र पाल एवं चंद्रशेखर वेंकटरन जयंती

राष्ट्रीय आंदोलन की बुनियाद व स्वतंत्र भारत की कल्पना को साकार करने वाले विपिनचन्द्र पाल व एक प्रख्यात वैज्ञानिक, विचारक चन्द्रशेखर वेंकटरमन की जयंती ७ नवम्बर २०१४ को महाविद्यालय में एक कार्यक्रम के माध्यम से मनायी गयी। इस अवसर पर भारत के इन सुयोग्य सपूतों के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थीगण मौजूद थे।

पं. मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि

भारत के महान् शिक्षाविद्, देश की स्वतंत्रता के जननायक पं. मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि १२ नवम्बर को महाविद्यालय में मनाई गयी। इस अवसर पर महामना के जीवन के विविध आयामों से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया तथा उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की गई।

पं. जवाहर लाल नेहरू जयंती/बाल दिवस

सच्चे राष्ट्रभक्त, भविष्य द्रष्टा, महान विचारक व स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत, देश की आजादी के नायक एवं बच्चों के प्रिय पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्म दिन १४ नवम्बर को महाविद्यालय में मनाया गया। महाविद्यालय परिवार द्वारा उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने तथा संचालन श्री संजय कुमार शर्मा ने किया।

आचार्य विनोबा भावे (पुण्यतिथि)

१५ नवम्बर को भूदान आंदोलन के प्रणेता एवं सर्वोदय के अग्रदूत आचार्य विनोबा भावे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दैदीप्यमान सेनानी तथा सामाजिक सुधारों के प्रखर पुरोधा थे। महाविद्यालय में आचार्य विनोबा भावे की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उक्त बातें प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. अविनाश प्रताप सिंह एवं संचालन श्री अमित गुप्ता ने किया।

लाला लाजपत राय पुण्यतिथि

एक सच्चे राष्ट्रभक्त, भविष्य द्रष्टा, स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत लाल लाजपत राय की पुण्यतिथि १७ नवम्बर २०१४ को आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने लाला लालपत राय पर संक्षिप्त प्रकाश डाला तथा महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह

छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह

१७ नवम्बर को छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें छात्रसंघ राजनीतिक शिक्षा प्रदान करने की एक प्रयोगशाला है। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास किया ही जाना चाहिए। छात्र संघ लोकतंत्र के लिए अपरिहार्य है। उत्तर प्रदेश में छात्रसंघ का व्यावहारिक रूप में न होना खलता है यह विचार महाविद्यालय में नवनिर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह ने व्यक्त किये। महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं दिनाँक 18 नवम्बर-2014 से 22 नवम्बर 2015 तक सम्पन्न हुई जिनका विवरण निम्नवत है-

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. आरती सिंह, प्रभारी हिन्दी विभाग के कुशल नेतृत्व में दिनाँक १८ नवम्बर, २०१४ को सम्पन्न हुआ। भाषण प्रतियोगिता का विषय 'उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ' रहा। इस प्रतियोगिता में कुल १२ छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान पर बी.काम. द्वितीय वर्ष के छात्र श्री आदित्य कुमार पाण्डेय रहे। इस प्रतियोगिता में द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः दो-दो प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान पर बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष के छात्र श्री विवेक कुमार भारती एवं बी. एस-सी. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री जान्हवी त्रिपाठी तथा स्थान बी.ए

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री श्रेयसी सिंह एवं श्री सतीश पाण्डेय, बी.ए. प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ। उक्त प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में डॉ. लोकेश कुमार प्रजापति एवं डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने भी सहयोग प्राप्त किया।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता के प्रथम चरण का आयोजन स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर १८ नवम्बर, २०१४ को सम्पन्न हुआ जिसमें कुल २० प्रतिभागी सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता के अन्तिम चरण का आयोजन २१ नवम्बर २०१४ को हुआ। प्रतियोगिता का विषय 'Black Money and Corruption' रहा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए. प्रथम वर्ष के श्री सतीश पाण्डेय ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष की आंचल श्रीवास्तव एवं तृतीय स्थान पर बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष की अर्णिमा पाठक रहीं। अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता की संयोजिका अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी, जबकि प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शालिनी सिंह एवं श्री नन्दन शर्मा रहे।

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता

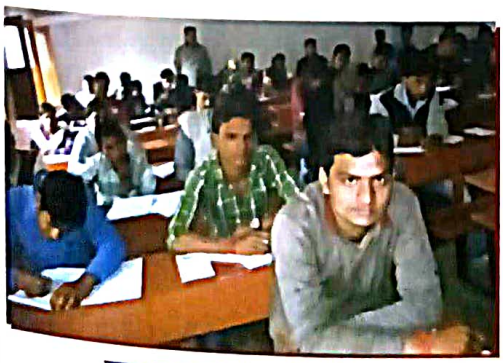

१६ नवम्बर, २०१४ को महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल २५ प्रतिभागी सम्मिलित हुए। जिसमें प्रथम स्थान बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के श्री सुगन्ध जी श्रीवास्तव, द्वितीय स्थान बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की सुश्री प्रगति एवं तृतीय स्थान पर बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की रेशमा रहीं। कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. विरेंद्र तिवारी ने सभी स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को बधाई प्रदान किया। इस प्रतियोगिता में डॉ. संजय कुमार तिवारी एवं श्री अमित कुमार गुप्ता ने सहयोग किया।

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता

श्रीमती शालिनी चौधरी द्वारा उद्‌बोधन

रानी लक्ष्मीबाई जयंती एवं एकनाथ रानाडे जयंती

१६ नवम्बर को आयोजित समारोह में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अग्रदूत रानी लक्ष्मीबाई व समाज सुधार पुरोधा एकनाथ रानाडे की जयंती के अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग की प्रवक्ता श्रीमती शालिनी चौधरी ने विस्तारपूर्वक दोनों विभूतियों के जीवन पर प्रकाश डाला तथा महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धांजली अर्पित की गयी।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत २० नवम्बर, २०१५ को हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें १४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जान्हवी त्रिपाठी, बी. एस-सी. प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ, जबकि द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः बी.काम. प्रथम वर्ष के श्री ऋषण कुमार शर्मा एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री नमिता सिन्हा को मिला। सफल प्रतिभागियों को हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ. आरती सिंह ने शुभकामनाएं प्रदान की। डॉ. लोकेश कुमार प्रजापति एवं डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रतियोगिता सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का शीर्षक ''भारत में स्वच्छता एवं पर्यावरण'' रहा।

कबड्डी प्रतियोगिता में छात्र

खेल प्रतियोगिताएं

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह-२०१४-१५ के अन्तर्गत निम्नलिखित खेल प्रतियोगिताएं हुई-

कबड्डी प्रतियोगिता

संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत बालक वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता के लिए फाइनल राउण्ड में टीम छत्रपति शिवाजी एवं टीम महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में मैच हुआ। जिसमें टीम महाराणा

श्रीमती शालिनी चौधरी द्वारा उद्‌बोधन

रानी लक्ष्मीबाई जयंती एवं एकनाथ रानाडे जयंती

१६ नवम्बर को आयोजित समारोह में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अग्रदूत रानी लक्ष्मीबाई व समाज सुधार पुरोधा एकनाथ रानाडे की जयंती के अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग की प्रवक्ता श्रीमती शालिनी चौधरी ने विस्तारपूर्वक दोनों विभूतियों के जीवन पर प्रकाश डाला तथा महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धांजली अर्पित की गयी।

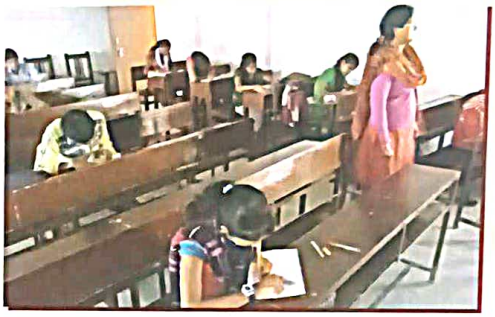

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत २० नवम्बर, २०१५ को हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें १४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जान्हवी त्रिपाठी, बी. एस-सी. प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ, जबकि द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः बी.काम. प्रथम वर्ष के श्री ऋषण कुमार शर्मा एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री नमिता सिन्हा को मिला। सफल प्रतिभागियों को हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ. आरती सिंह ने शुभकामनाएं प्रदान की। डॉ. लोकेश कुमार प्रजापति एवं डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रतियोगिता सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का शीर्षक ''भारत में स्वच्छता एवं पर्यावरण'' रहा।

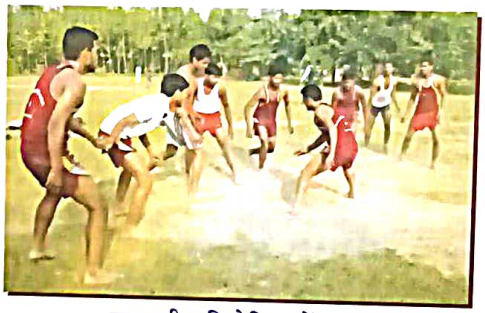

कबड्डी प्रतियोगिता में छात्र

खेल प्रतियोगिताएं

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह-२०१४-१५ के अन्तर्गत निम्नलिखित खेल प्रतियोगिताएं हुई-

कबड्डी प्रतियोगिता

संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत बालक वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता के लिए फाइनल राउण्ड में टीम छत्रपति शिवाजी एवं टीम महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में मैच हुआ। जिसमें टीम महाराणा

प्रताप पी.जी. कालेज ने टीम छत्रपति शिवाजी को ३२-२८ से पराजित कर जीत दर्ज किया। यह मैच २० नवम्बर, २०१४ को सम्पन्न हुआ।

२० नवम्बर, २०१४ को ही बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई, जिसमें टीम रानी लक्ष्मीबाई ने टीम मीराबाई को २२-२० से पराजित कर मैच अपने नाम कर लिया।

वालीबाल प्रतियोगिता-बालिका वर्ग

बालिका वर्ग वालीबाल प्रतियोगिता

बालिका वर्ग को वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन भी २० नवम्बर २०१४ को हुआ, जिसमें कुल तीन टीमें क्रमशः प्रताप वाहिनी, दुर्गा वाहिनी, सुभाष वाहिनी सम्मिलित हुई। फाइनल मैच टीम दुर्गा वाहिनी एवं टीम प्रताप वाहिनी के मध्य खेला गया जिसमें टीम दुर्गा वाहिनी ने टीम प्रताप वाहिनी को २५-२३, २२-२५ एवं २५-२२ से पराजित कर जीत अपने नाम दर्ज किया। उपरोक्त प्रतियोगिताओं के प्रभारी डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही एवं डॉ. आरती सिंह ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए हार्दिक बधाई प्रदान किया। डॉ. अजय बहादुर सिंह, श्री अखिलेश दूबे एवं श्री विनय कुमार सिंह ने प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता

आशुभाषण प्रतियोगिता

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत २१ नवम्बर, २०१४ को आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें श्री सतीश पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ये बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी हैं। द्वितीय स्थान पर बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री शुभम् कुमार दूबे एवं तृतीय स्थान पर बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के श्री विवेक कुमार भारती रहे। इस प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ. आरती सिंह ने प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों सहित सभी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। डॉ. सुनील कुमार मिश्र तथा डॉ. लोकेश कुमार प्रजापति ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

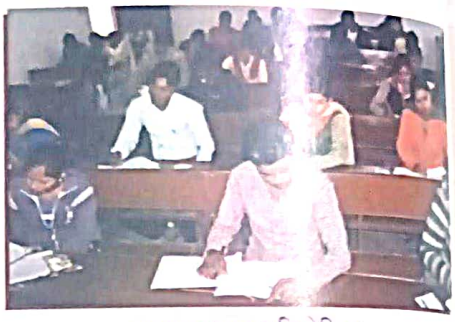

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन २२ नवम्बर, २०१४ को महाराणा प्रताप संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एम.एस-सी. प्रथम वर्ष रसायन शास्त्र के विद्यार्थी श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह को प्राप्त हुआ। बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री पंकज कुमार यादव को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के ही विद्यार्थी श्री अमन कुमार चौहान को तृतीय स्थान पर सफलता अर्जित हुई। सिंह को चुना गया। प्रतिभागियों को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने हार्दिक बधाई दी।

प्रश्नमंच (क्विज) प्रतियोगिता

क्विज प्रतियोगिता का आयोजन २२ नवम्बर, २०१५ को अपराह्न किया गया। जिसमें कुल २४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में एम.एस-सी. प्रथम वर्ष के श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के श्री पंकज यादव को द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान पर बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी श्री अमन कुमार चौहान को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में सान्त्वना पुरस्कार के लिए बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के प्रतिभागी श्री शिवांशु सिंह के नाम की घोषणा हुई। पुरस्कृत प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. सुनील कुमार मिश्र एवं निर्णायक मण्डल के सदस्य श्री नन्दन शर्मा, श्री प्रकाश प्रियदर्शी तथा डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने शुभकामनाएं तथा बधाई प्रदान किये।

वालीबाल प्रतियोगिता-बालक वर्ग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह २०१४-१५ के अन्तर्गत २२ नवम्बर, २०१४ को बालक वर्ग की वालीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच दिग्विजयनाथ एकादश तथा महाराणा प्रताप एकादश के बीच खेला गया। जिसमें महाराणा प्रताप एकादश ने २२-२५, २५-२३ एवं २५-१२ से मैच में अपनी खिताबी विजय हासिल की। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही, डॉ. आरती सिंह, डॉ. अजय प्रताप सिंह एवं अखिलेश दूबे ने प्रतियोगिता सम्पन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं प्रतियोगिता में पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. आर.एन. सिंह भी उपस्थित रहे।

बालक वर्ग वालीबाल प्रतियोगिता

विशिष्ट व्याख्यान

महाविद्यालय में २६ नवम्बर को छात्रसंघ के तत्वावधान में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में "भारतीय संस्कृति एवं वैज्ञानिक सोच" विषय पर डी.आर.डी.ओ. के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. अनंत नारायण भट्ट का शोधपूर्ण व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन शालिनी चौधरी ने किया। इस अवसर पर श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह सहित प्राध्यापक एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान में डॉ. अनंत नारायण भट्ट

विश्व एड्स दिवस

महाविद्यालय में १ दिसम्बर २०१४ को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जो महाविद्यालय परिसर से होते हुए मंझरिया ग्राम व हसनगंज ग्राम एवं जंगल धूसड़ होते हुए महाविद्यालय आकर समाप्त हुई। इसके पश्चात् महाविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें एड्स के संदर्भ में स्वयं/सेविकाओं/सेवक के मध्य एक स्वस्थ परिचर्चा सम्पन्न हुई।

भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि

६ दिसम्बर को देश के भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के ५८वें महापरिनिर्वाण दिवस पर महाविद्यालय में विचार गोष्ठी के जरिए बाबा साहब के आदर्शों को याद किया गया। उनके जीवन से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर डॉ. सुबोध कुमार मिश्र व डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने अपने विचार रखे। भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर के क्रांतिकारी एवं समाजोद्धारक विचार मानव जीवन को प्रेरणा देते हैं उनके इस समर्पण को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार द्वारा उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

विश्व एड्स दिवस पर जन जागरूकता रैली

शोभा यात्रा में छात्र/छात्राएं

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह ४-१० दिसम्बर

प्रतिवर्ष की भाँति ४ से १० दिसम्बर तक महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चले इ भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय की यथासम्भव सक्रियता रही। दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह उद्घाटन समारोह में निकाली जाने वाली शोभा-यात्रा में महाविद्याल के सभी छात्र-छात्राओं, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमि निभाई। इस वर्ष विद्यार्थियों द्वारा वन्दे मातरम् दल के अतिरिक्त भारतीय सांस्कृतिक धरोहर एवं विविध ज्वलन्त मु पर मनमोहक झाँकियों का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शोभा-यात्रा में सर्वश्रे अनुशासन एवं पथ संचलन का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

स्वर्ण पदक :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक-सप्ताह समारोह-२०१४ से उत्कृष्ट कार्य, उपलब्धियों एवं सर्वश्रे प्रदर्शन के लिए ५ स्वर्ण पदक प्रदान किए जाने का निर्णय हुआ। जिसमें से ४ स्वर्ण पदक महाराणा प्रताप स्नातको महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने प्राप्त करके अपना परचम फहराया। जबकि ५वाँ महाराणा मेवाड़ स्वर्ण प हाईस्कूल-इण्टर में श्रेष्ठतम विद्यार्थी को दिया जाना था। जिनका विवरण निम्नवत् है -

गुरू श्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक

वर्तमान सत्र में स्वच्छता, अनुशासन, अध्ययन, अध्यापन, क्रीड़ा, सामाजिक क्षेत्र में योगदान, विद्यार्थियों/शिक्षकों के समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास, संस्थापक समारोह में सहभाग, संस्थापकों के उद्देश्यों के प्रति निष्ठा की दिशा में किये गये प्रयासों, संस्थापकों के प्रति श्रद्धा सम्मान में आयोजन एवं विशेष उपलब्धि के आधार पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की श्रेष्ठतम संस्था का 'गुरू गोरखनाथ स्वर्ण पदक' महाविद्यालय को प्राप्त हुआ जिसे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ग्रहण किया।

गुरु श्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक ग्रहण करते प्राच

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्वर्ण पदक

स्वर्ण पदक ग्रहण करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

शैक्षिक योग्यता, अनुशासन, प्रभावी शिक्षण, अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता हेतु विशेष प्रयास, शोध अथवा अध्यापन के किसी विशेष तरीके का प्रयोग, आचरण एवं व्यवहार, विद्यार्थियों के विकास में व्यक्तिगत योगदान, सामाजिक सक्रियता एवं व्यवहार, विद्यार्थियों के विकास में व्यक्तिगत योगदान, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के समारोहों में सक्रियता आदि के आधार पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं के श्रेष्ठतम शिक्षक का स्वर्ण पदक महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रभारी, नियन्ता एवं उप प्रचार्य डॉ. अविनाश प्रताप सिंह को प्राप्त हुआ।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक

स्वर्ण पदक ग्रहण करती सुश्री चाँदनी सिंह

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत तथा शिक्षा, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक क्रिया-कलापों के क्षेत्र में अपनी चतुर्मुखी योग्यता के आधार पर स्नातकोत्तर स्तर पर प्रदान किया जाने वाला स्वर्ण पदक रसायनशास्त्र विषय की एम.एस.सी. अंतिम वर्ष की छात्रा सुश्री चाँदनी सिंह को प्राप्त हुआ।

ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक

स्वर्ण पदक ग्रहण करती सुश्री तेजस्वनी यादव

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा इस वर्ष से ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्वर्ण पद स्नातक के श्रेष्ठतम विद्यार्थी को प्रदान किया गया। यह स्वर्ण पदक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत तथा शिक्षा, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक क्रिया-कलापों के क्षेत्र में बहुमुखी योग्यता के आधार पर महाविद्यालय की बी.काम. भाग एक की छात्रा सुश्री तेजस्वनी यादव को प्राप्त हुआ।

छात्रवृत्ति प्राप्त करते विद्यार्थी

योग्यता छात्रवृत्ति

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय के छात्र-छात्रा ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कार एवं योग्यता छात्रवृत्तियों में अपना परचम लहराया। संकाय स्तर पर प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों में बी.ए. भाग-एक श्री पवन यादव प्रथम स्थान, श्री सतीश पाण्डेय को द्वितीय स्थान, बी.एस-सी. भाग-एक की सुश्री अर्चना सिंह प्रथम स्थान, सुश्री दीक्षाकर्ण द्वितीय स्थान एवं बी.काम. भाग-एक की सुश्री रीतिका पाण्डेय प्रथम स्थान सुश्री शीतल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.ए. भाग-दो की छात्रा सुश्री शबनम बानो प्रथम स्थान, सुश्री मनीषा मिश्रा द्वितीय स्थान एवं श्री रोशन मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.एस-सी. भाग-दो की छात्रा सुश्री गीता को प्रथम स्थान एवं सुश्री प्रियंका चौहान को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बी.ए-सी.भाग-तीन की छात्रा सुश्री आयुशी सिंह को प्रथम एवं सुश्री अनामिका मिश्रा को द्वितीय स्थान मिला। ए.एस.सी. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री दीपशिखा मणि त्रिपाठी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। जबकि एम.एस.सी. अंतिम वर्ष की सुश्री चाँदनी को प्रथम तथा एम.एस-सी. अंतिम वर्ष के विद्यार्थी श्री प्रभाकर निषाद को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

पुरस्कार

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय ने प्रतिवर्ष की भाँति अनेक पुरस्कार अर्जित किए जिसमें पथ संचलन एवं सर्वश्रेष्ठ अनुशासन का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा प्रश्न मंच प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त बालिका वर्ग की एवं कबड्डी एवं वालीबाल प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही।

शोभायात्रा का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार ग्रहण करते छात्र

बिरसा मुण्डा जयंती

११ दिसम्बर को आदिवासी समुदाय के आत्म गौरव बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज के अति पिछड़े समुदाय के लिए बिरसा मुण्डा ने किस प्रकार योगदान दिया उनके इस समर्पण को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार द्वारा उनको हार्दिक श्रद्धांजली अर्पित की गयी।

विजय दिवस

महाविद्यालय में १६ दिसम्बर को विजय दिवस समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में बतौर मुख्य वक्ता रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन के विशेषज्ञ डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने विजय दिवस से सम्बन्धित महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला।

विजय दिवस कार्यक्रम

राजेन्द्र लाहिड़ी/रोशन सिंह पुण्यतिथि

१७ दिसम्बर को देश की स्वतंत्रता के कर्णधार व भारत भूमि के सपूत राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी व रोशन सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने अपने बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की है। इनके इसी बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इन दोनों देशभक्तों के जीवन की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डाला गया तथा उन्हें महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धांजली अर्पित की गयी।

पं. राम प्रसाद बिस्मिल एवं अशफाक उल्ला खान का बलिदान दिवस

१६ दिसम्बर को देश की आजादी के नायक पं. राम प्रसाद विस्मिल व अशफाक उल्ला खान ने अपने बलिदान से इस देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने का प्रयास किया था। उनके इस त्याग, समर्पण व बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

श्रीनिवास रामानुजम की जयंती

२२ दिसम्बर को मशहूर गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम की १२७वीं जयंती अर्थात 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के अवसर पर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर उनके जीवन से कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं की चर्चा की गयी तथा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा संबोधन

सुशासन दिवस

महाविद्यालय में छात्रसंघ द्वारा २५ दिसम्बर को सुशासन दिवस पर आयोजित युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि दुनिया के अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा होने के लिए समाज के मूल में सुशासन अनिवार्य घटक है। सुशासन के बगैर लोकतंत्र प्रभावहीन है। भारत में विकास की धीमी गति के लिए सुशासन की कमी तथा भ्रष्टाचार ही जिम्मेदार है। छात्रसंघ अध्यक्ष श्री किसन देव निषाद ने कहा कि छात्रसंघ सुशासन के अभ्यास की पहली सीढ़ी है। छात्रसंघ ने महाविद्यालय प्रशासन में अपनी सक्रिय सहभागिता के आधार पर आचरण एवं व्यवहार से सुशासन का मानदण्ड स्थापित किया है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्री आशीष राय ने किया।

फतेह सिंह व जोरावर सिंह बलिदान दिवस

२६ दिसम्बर को गुरू गोविन्द सिंह के दो पुत्र फतेह सिंह व जोरावर सिंह जैसे दो देशभक्तों को औरंगजेब ने मुस्लिम धर्म स्वीकार करने के लिए बाध्य किया परंतु इन दोनों ने इसका प्रतिकार किया, जिसके फलस्वरूप औरंगजेब के सूबेदार वजीर खान ने इन दोनों बच्चों को जिन्दा दीवार में चुनवा दिया। स्वाभिमान और स्वधर्म हेतु देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले इन दोनों गुरूपुत्रों के बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार आज बलिदान दिवस के अवसर पर इन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

महर्षि रमण जयंती

महान विचारक एवं आध्यात्मिक संत महर्षि रमण ने जनमानस को धर्म के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराने का जो कार्य किया है, उसके लिए भारतीय समाज नित नतमस्तक है। ऐसे महान विचारक की ३० दिसम्बर को जयंती के अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

गुरू गोविंद सिंह जयंती

५ जनवरी २०१५ को मध्यकालीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने गुरू गोविन्द सिंह की जयंती के अवसर पर छात्रों को बताया कि गुरू सिक्खों के अंतिम एवं दसवें गुरू गुरू गोविंद सिंह एक लड़का की भाँति अपने सिक्ख शिष्यों को खालसा सैनिक के रूप में तब्दील करके मुगलों से लोहा लेने हेतु तैयार किया। ... मुगलों से लड़ते हुए इस वीर सिपाही की हत्या १७०८ ई. में एक मुगल सैनिक द्वारा धोखे से कर दी गयी। महाविद्यालय परिवार द्वारा इस अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

सोमनाथ मंदिर विध्वंस

७ जनवरी को महाविद्यालय की प्रार्थना सभा में सोमनाथ मंदिर विध्वंस के बारे में छात्रों को जानकारी दी गयी और मंदिर विध्वंस से बचाने के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देने वाले लोगों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

भारत-भारती पखवारा: 12 जनवरी से 26 जनवरी

भारत भारती पखवारा के उद्घाटन में अतिथि

महाविद्यालय में १२ जनवरी २०१५ को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से गणतन्त्र दिवस तक भारत भारती पखवाड़े का आयोजन किया गया। भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अनन्त मिश्र जी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी डॉ. मदन राम जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया तथा आभार ज्ञापन स्वयं सेवक श्री किसन देव निषाद ने किया।

वालीबाल प्रतियोगिता

वालीबाल प्रतियोगिता

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत १३ जनवरी को आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक वर्ग में ४ टीम तथा बालिका वर्ग में ३ टीमों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में सभी टीमों ने अपने टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक श्रीमती कविता मन्ध्यान ने टीमों से अपील किया कि प्रतियोगिता में भाई-चारा की भावना से खेलना होगा। बालक वर्ग में दिग्विजयनाथ टीम श्री सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा बालिका वर्ग में मीराबाई टीम ने अर्चना सिंह के नेतृत्व में प्रथम स्थान किया।

निबन्ध प्रतियोगिता में सहभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रथम एक दिवसीय शिविर

महाविद्यालय में १४ जनवरी को भारत-भारतीय पखवारा के अन्तर्गत प्रथम एक दिवसीय शिविर एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिविर में प्रातःकाल अभिगृहित क्षेत्र में श्रमदान

के पश्चात स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने ग्रामीणों को 'बेटी बढ़ाओ बेटी बचाओ' अभियान के प्रति जागरूक किया साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से बेटे तथा बेटी का भेदभाव भूलकर बेटियों को आगे बढ़ाने का हर सम्भव प्रयास करने की अपील की। तत्पश्चात महाविद्यालय में 'बेटी बढ़ाओ' विषय पर कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयं सेवक/सेविकाओं ने भी अपने विचार अभिव्यक्त किये। निबन्ध प्रतियोगिता का विषय 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' रहा। प्रतियोगिता में कुल 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान पर बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री शशि गुप्ता द्वितीय स्थान पर बी.काम. प्रथम वर्ष के श्री ऋषभ कुमार शर्मा तथा तृतीय स्थान पर बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री शबनम बानो रहीं। निर्णायक मण्डल में रूप में डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं श्रीमती कविता मन्ध्यान ने सहयोग किया।

खिचड़ी मेला : गोरखनाथ मंदिर

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत १५ जनवरी को स्वयं सेवक/सेविकाओं ने गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी मेला पर आये श्रद्धालुओं को दर्शन करने, व्यवस्थित करने एवं उनकी सहायता करने में काफी कुशलता का परिचय दिया। स्वयं सेवकों ने लाइनों में खड़े दर्शनार्थियों की हर सम्भव मदद करने का प्रयास किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों ने अपने कुशल नेतृत्व का परिचय दिया।

महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति दौड़ प्रतियोगिता

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत १६ जनवरी को महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। १००० मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में २५ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान बी.ए. भाग-एक के श्री विनय प्रताप सिंह, द्वितीय स्थान बी.काम. भाग-तीन के श्री ऋषिकेश तिवारी तथा तृतीय स्थान बी.ए. भाग-दो के श्री संतोष कुमार निषाद ने प्राप्त किया। बालिका वर्ग में १५ छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान पर बी.ए. भाग-एक की सुश्री श्रेया, द्वितीय स्थान पर बी.ए.भाग-एक की सुश्री अमिता राय एवं तृतीय स्थान पर बी.ए. भाग-एक की सुश्री आरती कुमारी रहीं।

दौड़ प्रतियोगिता में विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान में अतिथि

महाविद्यालय में चल रहे भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत १७ जनवरी २०१८ को 'शिक्षा एवं शोध में पुस्तकालय का महत्व' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि जे.पी. सूचना एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सोलन (हिमालय प्रदेश) के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. श्रीराम ने कहा कि बदलते समय में पुस्तकालय का अर्थ एवं कार्य बदल चुका है। पुस्तकालय अब मात्र पुस्तकों के संग्रह का केन्द्र नहीं अपितु इन्टरनेट, विशेष साफ्टवेयरों तथा तकनीक के प्रयोग से दुनिया के ज्ञान का केन्द्र है। कार्यक्रम में कालेज के पुस्तकालय प्रभारी डॉ. अमित कुमार मिश्र, पुस्तकालयाध्यक्ष श्री शिव प्रसाद शर्मा ने महाविद्यालय के पुस्तकालय की सुविधाओं पर प्रकाश डाला।

रंगोली प्रतियोगिता

बैडमिन्टन प्रतियोगिता में छात्राएं

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत १७ जनवरी को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बी.ए. तृतीय वर्ष की सुश्री नलिनी, सुश्री मीनाक्षी एवं सुश्री प्रीति ने प्रथम स्थान, बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष की सुश्री रमन प्रीत कौर, सुश्री सुरभि श्रीवास्तव एवं तृतीय स्थान पर बी.ए. तृतीय वर्ष की सुश्री शीबा वर्मा रहीं।

योगिराज बाबा गम्भीर नाथ स्मृति बैडमिन्टन प्रतियोगिता

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत १८ जनवरी राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में बैडमिन्टन प्रतियोगिता (डबल्स) का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के महिला एवं पुरूष वर्ग की १०-१० टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें बालिका वर्ग के सुश्री प्रीति शर्मा एवं सुश्री प्रमिला चौहान बी.ए. भाग तीन की प्रथम स्थान तथा सुश्री तनु कुमारी, सुश्री पूजा कुमारी-बी.ए. भाग एक की द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में श्री प्रवीण सिंह, श्री शिवेश तिवारी ने श्री अनुपम त्रिपाठी, श्री सिद्धार्थ द्विवेदी को २१-१६, २१-१७ से पराजित कर जीत दर्ज किया। श्री नन्दन शर्मा वाणिज्य विभाग ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

बैडमिन्टन प्रतियोगिता में छात्राएं

कार्यक्रम संयोजक श्रीमती कविता मन्ध्यान एवं सहायक श्री झब्बर शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को अपनी हार्दिक बधाई देते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव, डॉ. ए.बी. सिंह सुश्री अम्रपाली वर्मा, सुश्री मनीता सिंह उपस्थित रहे।

काव्य पाठ प्रस्तुत करता छात्र

महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत १६ जनवरी को महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह राणा प्रताप ने कहा कि ऐसे राष्ट्र नायक हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वाभिमान और स्वधर्म की रक्षा के लिए महलों का सुख त्याग कर जंगल में रहना स्वीकार किया।

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राणा प्रताप से जुड़ा इतिहास भारत की युवा पीढ़ी को हमेशा देशभक्ति व आत्म सम्मान से जीने की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय छात्रसंघ की ओर से युवा कवि श्री फजले अख्तर, श्री अभिषेक कुमार, श्री अनुपम त्रिपाठी, श्री तेजस्विनी यादव, श्री शुभम् दूबे, श्री दीप मोहन सिंह, श्री अनुराग मिश्र, श्री विवेक कुमार भारती आदि ने अपनी वीर रस की कविताओं से उपस्थित जनसमूह में जोश भरा। निर्णायक मण्डल ने काव्य पाठ सुनने के बाद श्री विवेक कुमार भारती को प्रथम, श्री सिद्धार्थ द्विवेदी को द्वितीय एवं श्री शुभम् दूबे को तृतीय स्थान पर घोषित किया।

हम प्रताप के सपनों को निलाम नहीं होने देंगे।
मातृ भूमि की बलि बेदी पर हम शीष चढ़ायेंगे।।

ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ शतरंज प्रतियोगिता

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत २० जनवरी को ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल २४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 12 प्रतिभागी प्रथम चरण के पश्चात् क्वाटर फाइनल में प्रवेश किये। उनमें से चयनित प्रतिभागी सेमीफाइनल में पहुँचे। फाइनल में बी.ए. प्रथम

ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ शतरंज प्रतियोगिता

वर्ष के श्री पवन यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान पर बी.एस-सी द्वितीय वर्ष के श्री मुनिराम मौर्या रहें। सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने हार-जीत को समान मानते हुए आगे बढ़ने तथा प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने विजेता प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देते हुए इसी प्रकार निरन्तर प्रयास करने को कहा।

गायन प्रतियोगिता

गायन प्रतियोगिता

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में २१ जनवरी को गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में १२ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मण्डल के द्वारा प्रस्तुतियों के आधार पर श्री देवाशीष शुक्ला (एम.ए. प्रथम वर्ष) को प्रथम, सुश्री अनन्या मिश्रा (बी.एस-सी. भाग-एक) को द्वितीय स्थान प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्री संजय कुमार शर्मा, श्री सुबोध कुमार मिश्र, श्री महेश कुमार, श्री सुभाष कुमार, श्री लक्ष्मीकान्त दूबे, डॉ. आरती सिंह एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहीं।

महाराणा प्रताप स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता

महाराणा प्रताप स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत २२ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ८ टीमों ने हिस्सा लिया। पुरूष वर्ग में टीम-ए ने टीम-सी को २६-२७, ४१-३२ से पराजित कर जीत दर्ज किया। मुख्य अतिथि वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती कविता मन्ध्यान एवं श्री झब्बर शर्मा तथा मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्री प्रकाश प्रियदर्शी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहीं।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत २३ जनवरी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय 'स्वच्छ पर्यावरण-सुन्दर पर्यावरण' था। इस प्रतियोगिता में कुल १६ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री ममता साहनी-प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री अंजनी प्रजापति-द्वितीय तथा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री रजनी गौड़-तृतीय स्थान पर रहीं।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी

सरस्वती पूजन

२४ जनवरी को बसंत पंचमी पर्व पर नवनिर्मित विज्ञान संकाय के दूसरे मंजिल पर स्थित कक्षाओं का शास्त्रीय विधि द्वारा पूजन किया गया। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की गयी। पूजन के पश्चात् छात्र/छात्राओं तथा स्वयं सेवक/सेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। किसी भी देश की प्रगति और उत्थान बिना बौद्धिक ज्ञान और संस्कार के सम्भव नहीं है। भारतीय परम्परा में इस प्रकार के अनुष्ठान हमें निरन्तर प्रेरणा प्रदान करते रहते हैं। इसी गौरवशाली परम्परा के कारण ही इतनी विसंगतियाँ और झंझावटों के बावजूद भी हम प्रगति की ओर अग्रसर हैं। उक्त बातें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कही।

सरस्वती पूजन

गुरू श्री गोरक्षनाथ भाषण प्रतियोगिता

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत २५ जनवरी को 'भारतीय राजनीति' विषय पर गुरू श्री गोरक्षनाथ भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें १४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान पर बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री वैभव कृष्ण, द्वितीय स्थान पर बी. काम. द्वितीय वर्ष के श्री अनुपम त्रिपाठी तथा तृतीय स्थान पर बी.ए.

गुरू श्री गोरक्षनाथ भाषण प्रतियोगिता

भारत-भारती पखवारा समापन एवं गणतंत्र दिवस : 26 जनवरी

२६ जनवरी का दिन हमारे देश के लिए महत्त्वपूर्ण दिन है। इसी दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ था। गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं द्वारा राष्ट्रभक्ति गीत, काव्य-पाठ, प्रेरणास्पद उद्बोधन आदि उल्लासपूर्वक प्रस्तुत किये गये। समारोह की अध्यक्षता छात्रसंघ अध्यक्ष एवं स्वयं सेवक श्री किशन देव निषाद ने की तथा संचालन स्वयं सेवक श्री शुभम् दुबे द्वारा किया गया। इसी समारोह में भारत-भारती पखवारा का समापन भी सम्पन्न हुआ।

गणतंत्र दिवस समारोह

स्वयं सेविकाओं द्वारा श्रमदान

राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय एक दिवसीय शिविर में ''इंसेफलाइटिस कारण एवं निदान' विषय पर जनजागरूकता रैली व अभिगृहित क्षेत्र ग्राम हसनगंज में श्रमदान का कार्यक्रम २७ जनवरी को हुआ। जिसमें सभी स्वयं सेवक/सेविकाओं द्वारा गाँव के लोगों को इंसेफलाइटिस जैसे गंभीर बीमारी व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया एवं गाँव की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा श्रमदान किया गया।

लाला लाजपत राय जयंती

२८ जनवरी को लाला लाजपत राय जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने लाला लाजपत राय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने की जबकि संचालन छात्रसंघ के महामंत्री श्री आशीष राय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे।

क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रतिभागी

क्रिकेट प्रतियोगिता

महाविद्यालय में १ फरवरी २०१५ को आयोजित क्रिके प्रतियोगिता में महाराणा प्रताप एकादश ने दिग्विजयनाथ एकादश क हराया। श्री योगेश को मैन आफ द सीरीज व श्री राजेश को मै आफ द मैच चुना गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थ परिषद् के महानगर उपाध्यक्ष श्री सिद्धार्थ ओझा ने विजेता औ उपविजेता की टीम को पुरस्कृत भी किया।

विज्ञान पोस्टर प्रदर्शिनी

महाविद्यालय के भौतिक विभाग द्वारा २ फरवरी को विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता (विज्ञान प्रदर्शिनी) का आयोजन किया गया। ११ टीमों के ४६ प्रतिभागियों वाली इस प्रदर्शिनी में विभिन्न विषयों पर आधारित प्रदर्शिनी जैसे-फोटो इलेक्ट्रिक इफेक्ट, इलेक्ट्रो मैग्नेटिक तरंग, जीआरडी मंगलयान, स्ट्रक्चर ऑफ ऐरोप्लेन, अग्नि-५ के पोस्टर लगाए गए। निर्णायक मंडल के डॉ. संजय कुमार तिवारी, डॉ. अमित कुमार मिश्रा एवं श्री प्रतीक दास द्वारा सामूहिक निर्णय के आधार पर श्री राणा शिवेन्द्र सिंह व श्री विवेक कुमार भारती की टीम को प्रथम, श्री रमेश की टीम दूसरे व श्री रितेश राव की टीम तृतीय स्थान पर रही। भौतिक विभाग की प्रभारी मनीता सिंह ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विज्ञान के प्रति छात्रों में रूचि जागृत करना है।

निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. संजय कुमार तिवारी

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राजेश कुमार सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

महाविद्यालय में ६ फरवरी को राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में ''भारतीय विदेश नीति और वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य'' पर बोलते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह ने

शोधपूर्ण व्याख्यान दिया। व्याख्यान का संचालन राजनीति शास्त्र के प्रवक्ता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा मुख्य वक्ता का स्वागत एवं आभार बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र श्री सुजीत कुमार गुप्त ने किया।

तृतीय एक दिवसीय शिविर का बौद्धिक सत्र

राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर दिनांक ०८ फरवरी २०१५ को अभिगृहित क्षेत्र ग्राम मंझरिया में लगा। जिसमें दोनों इकाई के सभी स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा गाँव में श्रमदान किया गया। श्रमदान के पश्चात दूसरे सत्र में एक बौद्धिक सत्र चला, जिसमें पर्यावरणीय सुरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति सभी स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये।

व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिताएं

महाविद्यालय के सभी विभागों द्वारा गत वर्षों के भाँति इस वर्ष भी फरवरी माह में व्याख्यान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। अधिकांश विद्यार्थियों ने पावर प्वाइंट के माध्यम से अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। इनकी प्रस्तुतियाँ उच्चस्तरीय रही। कभी-कभी तो ऐसा लगा कि इनकी प्रस्तुति का स्तर उच्च कोटि के शोधार्थियों के समतुल्य है। विशेष रूप से रसायन शास्त्र विभाग, भौतिक विज्ञान विभाग, राजनीति शास्त्र विभाग, वाणिज्य विभाग, हिन्दी एवं अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान उच्चकोटि के थे।

क्षेत्र सर्वेक्षण

भूगोल विभाग के बी.ए./बी.एस-सी.भाग-तीन के विद्यार्थियों द्वारा ३ फरवरी एवं ११, १२ फरवरी को जंगल औराही एवं लक्ष्मीपुर गाँवों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के आधार पर विद्यार्थियों द्वारा प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए रिपोर्ट तैयार किया जाता है।

मैप ड्राइंग प्रतियोगिता

६ फरवरी को प्रात: सेमीनार से पूर्व भूगोल विभाग द्वारा बी.ए./बी.एस-सी. भाग-एक,दो एवं तीन के सभी विद्यार्थियों की सहभागिता से मैप ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने भारत एवं विश्व के मैप बनाये। अधिकांश विद्यार्थियों ने 'मैप ड्राइंग' कुशलतापूर्वक किया, परन्तु प्रतियोगिता के मानदण्डों के कारण निर्णायक मंडल ने तीन विद्यार्थियों के मानचित्रों को सर्वोच्च घोषित किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए. भाग-एक के छात्र श्री पवन यादव को एवं द्वितीय स्थान श्री अजहरूहीन अली तथा बी.ए. भाग-तीन के श्री दयाराम निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार का उद्घाटन

महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार : ६-१० फरवरी, २०१५

महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार आयोजित किया गया। जिसमें बी.ए. भाग-एक, बी.ए./बी.एस-सी. भाग-दो एवं बी.ए./बी.एस-सी. भाग-तीन के भूगोल विषय के ३६ प्रतिभागियों ने अपने शोध प्रपत्र प्रस्तुत किये। सेमीनार का विषय 'भूगोल का विकास' रहा। सेमीनार में सर्वोत्कृष्ट प्रपत्रों के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें बी.ए. भाग तीन की प्रतिभागियों सुश्री मिनाक्षी शर्मा को प्रथम स्थान तथा सुश्री श्रीभावती को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ, जबकि द्वितीय स्थान पर बी.ए.भाग दो के प्रतिभागी श्री किसन देव निषाद रहे।

सेमीनार का उद्घाटन ६ फरवरी को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय के जन्तु विज्ञान के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि राजनीति शास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह रहे। इस सत्र की अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रवक्ता एवं सेमीनार के सह संयोजक डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही ने किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग-दो के विद्यार्थी श्री किसन देव निषाद ने किया।

१० फरवरी को अपराह्न सेमीनार का समापन समारोह आयोजित हुआ जिसके मुख्य अतिथि इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ.

महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार का समापन

महेन्द्र प्रताप सिंह तथा विशिष्ट अतिथि वाणिज्य संकाय के व्याख्याता श्री सुभाष कुमार गुप्त जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के व्याख्याता एवं सेमीनार के सह संयोजक डॉ. प्रवीन्द कुमार शाही ने किया। सभी के प्रति आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्रभारी एवं सेमीनार के संयोजक डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया तथा संचालन श्री किसन देव निषाद ने किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी : १४-१५ फरवरी, २०१५

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में अतिथि

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग तथा नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र, महाराणा प्रताप पी.जी. कलोज, जंगल धूसड़, गोरखपुर तथा भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्षप्रान्त द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी १४ एवं १५ फरवरी, २०१५ को सम्पन्न हुई। जिसका विषय '२१वीं शताब्दी में भारत-नेपाल सम्बन्ध : चुनौतियाँ और विकल्प' रहा।

उद्घाटन समारोह

१४ फरवरी, २०१५ को उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर, सांसद, गोरखपुर परमपूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि नेपाल के पूर्व गृहमंत्री श्री खूम बहादुर खड़्का, विशिष्ट अतिथि नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री डॉ. देवेन्द्र राज कण्डेल तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. ए.पी. शुक्ल, मुख्य वक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. सतीश चन्द्र मित्तल थे। उद्घाटन समारोह के अवसर पर अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के पूर्व अध्यक्ष प्रो. शिवाजी सिंह, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. यू. पी. सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. टी.पी. वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के विषय वस्तु पर प्रस्ताविकी रखी तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन

अतिथि को सम्मानित करते पूज्य महाराज जी

विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हर्ष कुमार सिन्हा ने अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। उद्घाटन समारोह का संचालन डॉ. ओमजी उपाध्याय ने किया।

पुस्तक विमोचन एवं सारस्वत सम्मान

पुस्तक विमोचन

राष्ट्रीय संगोष्ठी में १५ दिसम्बर तक प्राप्त हो चुके स्तरीय एवं स्वीकृत शोध पत्रों को शोध-पत्रिका 'मानविकी' के विशेषांक स्वरूप में प्रकाशित किया गया जिसका विमोचन राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्पन्न हुआ। प्रो. महेश कुमार शरण की पुस्तक 'पर्यटकों का देश थाइलैण्ड' तथा डॉ. कुवँर बहादुर कौशिक द्वारा लिखित पुस्तक 'हिन्दू सम्राट हेमू विक्रमादित्य' का विमोचन अतिथियों द्वारा हुआ। इतिहास के क्षेत्र विशेष में योगदान के लिए 'डॉ. कुवँर बहादुर कौशिक' तथा संस्कृत साहित्य में विशेष योगदान के लिए 'डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय साहित्येन्दु' को 'सारस्वत सम्मान' प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. यू.पी. सिंह, प्रो. ए.पी. शुक्ल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर नेपाल से आए एक दर्जन प्रतिनिधियों के सम्मिलित होने और द्विपक्षीय वार्ता से राष्ट्रीय संगोष्ठी, अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का स्वरूप ग्रहण कर ली। इस संगोष्ठी में प्रो. टी.पी. वर्मा, श्री बाल मुकुन्द पाण्डेय, डॉ. के.एन. पाण्डेय, डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, प्रो. शिवाजी सिंह, डॉ. कुवँर बहादुर कौशिक, डॉ. सुशील त्रिपाठी, प्रो. महेश कुमार शरण, डॉ. बलवान सिंह, प्रो. हरिशरण, डॉ. प्रदीप यादव, प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, डा. विनोद कुमार सिंह, डा. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, डॉ. शेर बहादुर सिंह, डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने तकनीकी सत्र में अपने विषय प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी में शोध पत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाराष्ट्र, बिहार, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, नेपाल के ६८ शोधार्थियों एवं विद्वानों के शोध-पत्र स्वीकृत हुए एवं महत्वपूर्ण १५ शोध पत्र पढे गए। इनमें से ३३ शोध-पत्र 'मानविकी' में विशेषांक के रूप में प्रकाशित कर दिया गया तथा शेष शोध-पत्रों को शोध-पत्रिका 'शोध-संचयन' विशेषांक के रूप में प्रकाशित करने जा रहा है।

समापन समारोह

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में अतिथि

१५ फरवरी, २०१५ को अपराह्न राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पूर्व कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने की। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह रहे। समापन समारोह में आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हर्ष कुमार सिन्हा ने संगोष्ठी की कार्यवाही प्रस्तुत की तथा महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

संगोष्ठी के मूल-मंत्र

भारत-नेपाल सम्बन्धों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में दोनों देशों के प्रतिभागियों, वक्ताओं, विशेषज्ञों ने चिन्तन-मनन, वाद-विवाद, विचार-विमर्श के साथ निम्न निष्कर्ष प्रस्तुत किए-

१. भारत-नेपाल के प्राकृतिक सम्बन्धों यथा भौगोलिक एवं सांस्कृतिक एकता दोनों देशों के माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रमों का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाय।
२. भारत-नेपाल की पूरकता का दोनों देशों की जनता में विविध-माध्यमों से निरन्तर प्रचार-प्रसार होते रहना चाहिए।
३. दोनों देशों में सामाजिक-सांस्कृतिक-शैक्षिक संस्थाएं भारत-नेपाल मैत्री संस्थान बनाकर अपने-अपने दृष्टि से कार्य करें और उन्हें सरकार प्रोत्साहित करें।
४. भगवान बुद्ध, गुरू श्री गोरक्षनाथ, भगवान पशुपति के माध्यम से दोनों देशों की जनता को आध्यात्मिक स्तर पर जोड़े रखने के प्रयास हों।
५. भारत-नेपाल को यह भरोसा दिलाए कि उसकी सम्प्रभुता अक्षुण्ण रहेगी, यह भारत की जिम्मेवारी हो।
६. नेपाल के आर्थिक-सामाजिक-शैक्षिक विकास में भारत अपने राज्यों के समान वहाँ की जनता एवं जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर पूर्ण सहयोग करें।

७. नेपाल के सुख-दु:ख में भारत पूर्ण सहभागी बने।

८. नेपाल-भारत के बीच भारत के विदेश मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति [illegible] गठन किया [illegible] जिसमें नेपाल के विदेश मंत्री एवं दोनों देशों के राजदूत एवं विदेश सचिव सदस्य हों। [illegible] समिति दोनों [illegible] के बीच सम्बन्ध पर निरन्तर सजग, सचेष्ट और क्रियाशील रहे।

९. भारत-नेपाल के जन प्रतिनिधियों, जनता के आग्रह पर उनके आन्तरिक सुरक्षा-संरक्षा में [illegible] सक्रिय भूमिका निभाए। मूकदर्शक की भूमिका में न रहें।

विश्वविद्यालय पूर्व-परीक्षा

महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व-परीक्षा १८ से २६ फरवरी तक सम्पन्न हुई। परीक्षा परिणाम २८ फरवरी [illegible] घोषित किया गया। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रत्येक संकाय में प्रथम तीन स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को [illegible] २०१५-१६ की प्रवेश समिति का सदस्य मनोनीत किया गया एवं उनकी उत्तर पुस्तिकाएं महाविद्यालय में अवलोकनार्थ रखी गयीं।

रसायन शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान

२० फरवरी, २०१५ को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के 'इमेरिटस साइंटिस्ट' प्रो. गुरदीप सिंह ने "सालिड स्टेट सल्फोनेशन तथा हाई इन्र्जेटिक मटेरियल्स" विषय पर शोध पूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने इसेन्सियल आयल तथा एरोमाथीरैपी के महत्व को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को शोध के प्रति प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने तथा संचालन डॉ. राम सहाय ने किया। आभार ज्ञापन सुश्री प्रियंका मिश्रा ने किया। इस अवसर पर रसायन शास्त्र विभाग के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना की महाराणा प्रताप ईकाई एवं गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाईयों का संयुक्त सप्त दिवसीय शिविर

का आयोजन २० फरवरी से २६ फरवरी, २०१५ तक किया गया। शिविर का उद्घाटन २० फरवरी को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि किसान पी.जी. कालेज सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय एवं मुख्य वक्ता महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह थे। उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं स्वंय सेवक/स्वयं सेविकाओं सहित राष्ट्रीय सेवायोजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकान्त सिंह एवं दूसरी कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी चौधरी उपस्थित रहीं। श्रीमती शालिनी चौधरी द्वारा उद्घटन सत्र का संचालन तथा श्री आशीष राय द्वारा आभार ज्ञापन किया गया।

विशेष शिविर के दौरान प्रत्येक दिन ग्राम मंझरिया एवं हसनगंज में श्रमदान, जनजागरण, सर्वेक्षण आदि के अतिरिक्त प्रत्येक दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे गायन, चार्ट एवं पोस्टर, स्लोगन/निबन्ध, मेंहदी, वाद-विवाद, नाट्य मंचन तथा रंगोली आदि सम्पन्न हुई।

प्रत्येक दिन अपराह्न बौद्धिक सत्र का आयोजन शिविर का मुख्य आकर्षण रहा। २१ फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना की पूर्व कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कविता मन्ध्यान का ''नारी सम्मान एवं सुरक्षा'', २२ फरवरी को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव का ''अनुशासन एवं संयमित जीवन'', 23 फरवरी को डॉ. अविनाश प्रताप सिंह का ''युवा चुनौतियाँ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में'', २४ फरवरी को डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी का ''भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती सरकारी योजनाएं'' तथा २५ फरवरी को डॉ. आरती सिंह का 'नशा एक सामाजिक अभिशाप' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान हुए।

सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह २६ फरवरी को आयोजित हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. टी.एन. मिश्रा एवं मुख्य वक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवायोजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी चौधरी एवं आभार ज्ञापन श्री वैभव कृष्ण द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एक दिवसीय शिविर १ मार्च, २०१५ को आयोजित हुआ जिसमें दोनों इकाईयों के स्वंय सेवक/स्वयं सेविकाओं ने हिस्सा लिया। प्रथम सत्र में श्रमदान का आयोजन हुआ जबकि द्वितीय सत्र में बौद्धिक व्याख्यान एवं परिचर्चा हुई।

कार्यशाला

महाविद्यालय में दिनांक ९ मार्च से १४ मार्च २०१५ के मध्य महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज के शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन की अनवरत विकास यात्रा को जारी रखते हुए, "वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार" विषय पर सप्त दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य महाविद्यालय के शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन में अनवरत विकास करते रहना था।

सप्तदिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी

नूतन आयाम

स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा सुनिश्चित स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को कक्षाएं ४० मिनट की चलाई जाती है तथा ११.३० से १.०० बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित दिन पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापक एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है।

कार्यशाला

महाविद्यालय में दिनांक ८ मार्च से १४ मार्च २०१५ के मध्य महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज के शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन की अनवरत विकास यात्रा को जारी रखते हुए, ''वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार'' विषय पर सप्त दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य महाविद्यालय के शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन में अनवरत विकास करते रहना था।

सप्तदिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी

नूतन आयाम

स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा सुविधानुसार स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को कक्षाएं ४० मिनट की चलाई जाती है तथा ११.३० से १.०० बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर वेबसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापक एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की कम से कम पाँच कक्षायें प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित की जाती है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग एवं छात्रसंघ की भूमिका

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। छात्रसंघ अपने बजट का ७५ प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी महाविद्यालय की बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना प्रकाशित की जाती है एवं कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवाल

पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवाल पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

विमर्श एवं मानविकी पत्रिकाओं का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन अपनी अन्तर अनुशनात्मक एवं प्रमाणिक शोध पत्रिकाओं 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्ध वार्षिक) के माध्यम से किया जाता है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय की पुस्तकालीय ऑनलाइन हो जाने से शिक्षक एवं विद्यार्थी विश्व के प्रमुख ग्रन्थालयों से जुड़ गये हैं और उत्तरोत्तर इसका लाभ उठा रहे हैं।

शोध एवं अध्ययन केन्द्र : वार्षिक रपट

गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

गोरक्षनाथ द्वारा प्रवर्तित नाथपंथ भारत के उन प्राचीनतम धर्म सम्प्रदायों में एक है, जिन्होंने समय-समय पर अभ्युदित होकर समाज को संगठित कर उसे समरसता का पाठ पढ़ाते हुए, धर्म एवं संस्कृति में उत्पन्न हुई कुछ विकृतियों का उन्मूलन कर मूल सांस्कृतिक धारा को आगे बढ़ाया। इस दृष्टि से नाथ पंथोपासक योगियों की भूमिका अद्वितीय एवं अविस्मरणीय है। दुर्भाग्यवश भारतीय इतिहास के अध्येताओं द्वारा गोरक्षनाथ एवं नाथ पंथ का अध्ययन भी वैसा ही उपेक्षित रहा, जैसे भारतीय इतिहास के अन्य अनेक गौरवशाली

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. हर्ष कुमार सिन्हा

अध्याय उपेक्षा के शिकार रहे हैं। भारत का सामाजिक-धार्मिक इतिहास लेखन गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं नाथ पंथ के अध्ययन के बिना सदैव अधूरा रहेगा। इस दृष्टि से महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर ने गोरक्षनाथ एवं उनके द्वारा प्रवर्तित नाथपंथ पर ऐतिहासिक दृष्टि से शोध एवं अध्ययन करने तथा इसे प्रोत्साहित करने हेतु "गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र" की स्थापना अषाढ़ शुक्ल १५ (गुरू पूर्णिमा) वि.सं. २०६९, युगाब्ध ५११४ तदनुसार ३ जुलाई २०१२ ई. की।

विगत सत्र २०१३-१४ में भी अध्ययन केन्द्र द्वारा पूर्व सत्रों की भाँति गोरक्षनाथ एवं नाथ पंथ से सम्बन्धित शोध सामग्रियों के संकलन का कार्य अनवरत जारी रहा। समय-समय पर विषय विशेषज्ञों के साथ वार्तालाप कर भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श एवं दिशा-निर्देश भी लिया गया। शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में कुछ महत्वपूर्ण बौद्धिक-परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। २१ जुलाई २०१३ को शोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा "भारतीय सभ्यता का उदय: वैदिक सरस्वती की गोद में" विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय पुरातत्व संस्थान के निदेशक प्रो. के.एन. दीक्षित जी का व्याख्यान हुआ। इस सत्र (२०१४-१५) में शोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन प्रस्तावित है। हमें विश्वास है कि ईश्वर की कृपा से नाथ पंथ की इस वार्षिक ग्रन्थमाला (वार्षिक-पत्रिका) का अनवरत प्रकाशन होता रहेगा और इस प्रकाशन से गोरक्षनाथ एवं नाथ पंथ पर ऐतिहासिक दृष्टि से शोध एवं अध्ययन को गति मिलेगी तथा भारतीय इतिहास में विस्मृत यह एक और उज्ज्वल अध्याय अपनी पूरी तथ्यात्मकता और समग्रता के साथ भारतीय इतिहास से जुड़ जाएगा। इसके साथ ही नाथपंथ से सम्बन्धित परम्पराओं साहित्यों एवं कथाओं का संकलन भी हमारा लक्ष्य होगा।

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

भारत की उत्तरी सीमा पर हिमालय की गोद में बसा नेपाल भारत का सहोदर राष्ट्र है। गोरखपुर से मात्र 100 कि.मी. की दूरी पर स्थित नेपाल पर निरन्तर शोध एवं अध्ययन दक्षिण पूर्व एशिया की सुख शान्ति तथा भारत नेपाल दोनों के सम्प्रभुता की रक्षा की दृष्टि से आवश्यक है। इसी दृष्टि से जुलाई २०१३ में नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई। इस वर्ष एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन १४-१५ फरवरी २०१५ को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

राष्ट्रीय संगोष्ठी में नेपाल के पूर्व गृहमंत्री श्री खूम बहादुर खड़का द्वारा संबोधन

नई दिल्ली के सहयोग से सम्पन्न हुआ। एक नेपाली बृहत शब्दकोश तथा संक्षिप्त नेपाली [illegible] अंग्रेजी [illegible] शब्द कोश तथा नेपाली भाषा ज्ञान हेतु १६ नेपाली पुस्तक मँगायी गयीं। इसके अलावा [illegible] नेपाल विषयक [illegible] पुस्तकें तथा ४ शोध प्रबन्धों को केन्द्र में रखा गया। जुलाई माह से समाचार पत्रों से नेपाल विषयक समाचारों का [illegible] किया जा रहा है। पत्र-पत्रिकाओं से भी नेपाल विषयक अध्ययन सामग्री का संकलन किया जा रहा है। नेपाल से सम्बन्धित दो संगठन 'भारत नेपाल मैत्री समाज' तथा 'भारतीय गोरखा संगठन' गोरखपुर से सम्पर्क स्थापित किया गया।

समावर्तन समारोह में अतिथिगण

समावर्तन-२०१८

महाविद्यालय का सातवाँ समावर्तन संस्कार समारोह १० मार्च २०१८ को उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। समावर्तन संस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति के.डी. शाही जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबन्धक परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह जी मौजूद रहे। मंच पर सम्मानित रूप से गुरुकुल छात्र परिषद के अध्यक्ष श्री [illegible] कुमार [illegible] विभाग अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. [illegible] मिश्र भी उपस्थित थे। समारोह की पृष्ठभूमि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने रखी। कार्यक्रम में दीक्षान्त उपदेश के साथ पूज्य महाराज जी ने ३५० छात्र छात्राओं को [illegible] भारतीय परिधान में दीक्षा दिलाकर समावर्तन संस्कार पूर्ण कराया।

समावर्तन उपदेश ग्रहण करते विद्यार्थी

समावर्तन संस्कार समारोह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले २० मेधावियों को सत्र २०१८-१९ हेतु प्रवेश शुल्क में [illegible] छूट का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित महाराज के सम्मानित [illegible] एवं शिक्षक मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह	पूर्व कुलपति
उपाध्यक्ष	श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा	अधिवक्ता
प्रबन्धक/सचिव	श्री योगी आदित्यनाथ	सांसद लोक सभा
सदस्य	श्री प्रमोद चौधरी	प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री पारसनाथ मिश्रा	अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार	अधिवक्ता
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	शिक्षाविद्
	श्री योगी कमलनाथ	धर्माचार्य
	श्री रामजन्म सिंह	प्रधानाचार्य

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	डॉ. विजय कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष	श्री सुभाष कुमार गुप्ता
महामंत्री	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
कोषाध्यक्ष	श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय
सदस्य	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
	श्रीमती कविता मन्ध्यान
	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	श्री अनिल कुमार वर्मा

शिक्षक-अभिभावक समिति

अध्यक्ष	डॉ. त्रियुगी नारायण मिश्र	अभिभावक
उपाध्यक्ष	श्री विजय कुमार साहनी	अभिभावक
	श्री महेश कुमार सैनी	अभिभावक
सचिव	डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही	शिक्षक
सदस्य	श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह	अभिभावक
	श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव	अभिभावक
	श्री सुधाकर त्रिपाठी	अभिभावक
	श्री रूदल शर्मा	अभिभावक
	श्री मनोज शर्मा	अभिभावक
	श्रीमती राजकुमारी पाण्डेय	अभिभावक
	श्रीमती ममता यादव	अभिभावक
	श्रीमती ऊषा देवी	अभिभावक

छात्र संघ

अध्यक्ष	श्री किसन देव निषाद	बी.ए. द्वितीय वर्ष
उपाध्यक्ष	सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. द्वितीय वर्ष
महामंत्री	श्री आशीष राय	बी.ए. तृतीय वर्ष

छात्र संघ के प्रतिनिधि

प्रतिनिधि	कक्षा	विषय
सुश्री सुमन प्रजापति	भाग-एक	हिन्दी
श्री किसन देव निषाद	भाग-दो	हिन्दी
सुश्री रूक्मिणी मिश्रा	भाग-तीन	हिन्दी
श्री सुजीत प्रजापति	भाग-एक	अंग्रेजी
सुश्री अराधना वर्मा	भाग-दो	अंग्रेजी
सुश्री मिनाक्षी शर्मा	भाग-तीन	अंग्रेजी
श्री सूरज कुमार पाल	भाग-एक	राजनीतिशास्त्र

छात्र संघ के प्रतिनिधि

प्रतिनिधि	कक्षा	विषय
श्री रानी कुमार साहनी	भाग दो	राजनीतिशास्त्र
श्री सुनील कुमार गुप्ता	भाग तीन	राजनीतिशास्त्र
श्री राहुल सिंह	भाग एक	समाजशास्त्र
सुश्री किरण चौहान	भाग दो	समाजशास्त्र
सुश्री ममता चौहान	भाग तीन	समाजशास्त्र
श्री सुशील कुमार सिंह	भाग एक	प्राचीन इतिहास
सुश्री मनीषा सिंह	भाग दो	प्राचीन इतिहास
श्री आशीष राय	भाग तीन	प्राचीन इतिहास
श्री सन्तोष कुमार	भाग एक	इतिहास
श्री महेश कुमार	भाग दो	इतिहास
सुश्री ममता प्रजापति	भाग तीन	इतिहास
श्री फैजाने अकबर	भाग एक	अर्थशास्त्र
श्री जयप्रकाश कुमार मौर्य	भाग दो	अर्थशास्त्र
सुश्री रागिनी गुप्ता	भाग एक	भूगोल
श्री श्यामलाल निषाद	भाग दो	भूगोल
सुश्री श्रीमावती	भाग तीन	भूगोल
सुश्री नीता कुमारी दुबे	भाग एक	मनोविज्ञान
सुश्री ज्योति गुप्ता	भाग दो	मनोविज्ञान
सुश्री पूजा वर्मा	भाग तीन	मनोविज्ञान
श्री संदीप प्रजापति	भाग एक	रक्षा अध्ययन
सुश्री नगमा सलम	भाग दो	रक्षा अध्ययन
श्री अमित कुमार गुप्ता	भाग तीन	रक्षा अध्ययन
श्री सूरज बिन्द	भाग एक	रसायनशास्त्र
श्री गौरव कुशवाहा	भाग दो	रसायनशास्त्र
श्री अमित कुमार	भाग तीन	रसायनशास्त्र
श्री अहमद हुसैन	भाग एक	गणित
सुश्री निकिता सिंह	भाग दो	गणित
सुश्री रिना शुक्ला	भाग तीन	गणित
सुश्री अंजना वर्मा	भाग एक	भौतिकी
श्री आकाश उपाध्याय	भाग दो	भौतिकी
श्री प्रकाश चौरसिया	भाग तीन	भौतिकी
सुश्री अर्चना गुप्ता	भाग एक	प्राणि विज्ञान
सुश्री आराधना सिंह	भाग दो	प्राणि विज्ञान
श्री सुरेश कुमार यादव	भाग तीन	प्राणि विज्ञान
सुश्री कविता निषाद	भाग एक	वनस्पति विज्ञान
सुश्री गीता सिंह	भाग दो	वनस्पति विज्ञान
श्री राज किशोर	भाग तीन	वनस्पति विज्ञान
श्री रमेश सिंह	भाग एक	कम्प्यूटर साइंस
श्री कृष्णा	भाग दो	कम्प्यूटर साइंस
श्री अरविन्द कुमार	भाग एक	बी.काम.
श्री सुभाष पाण्डेय	भाग दो	बी.काम.
श्री अखिलेश तिवारी	भाग तीन	बी.काम.
सुश्री कादम्बरी	भाग दो	प्राचीन इतिहास (एम.ए.)
श्री विजय प्रताप सहानी	प्रथम वर्ष	रसायनशास्त्र (एम.एस सी.)
सुश्री गरिमा मिश्रा	अंतिम वर्ष	रसायनशास्त्र (एम.एस सी.)

कर्मचारी संघ

अध्यक्ष	श्री संजय कुमार शर्मा
उपाध्यक्ष	श्री लालसा
महामंत्री	श्री जोगिन्दर
कोषाध्यक्ष	श्री रामरतन
सदस्य	श्री ईश्वर शर्मा
	श्री शारदानन्द पाण्डेय
	श्री सुभाष कुमार

पुरातन छात्र परिषद

अध्यक्ष	श्री राहुल कुमार शर्मा
उपाध्यक्ष	श्री सचिन कुमार चौहान
महामंत्री	श्री चन्द्रभान कुमार
सहमंत्री	श्री अनुराग शाह
कोषाध्यक्ष	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
सदस्य	श्री दीपक कुमार
	श्री वागीश राज पाण्डेय
	श्री राकेश मौर्या
	श्री जयहिन्द यादव
	श्री पुष्पेन्द्र कुमार
	श्री महेन्द्र कुमार
	श्री विश्वजीत शर्मा

नियन्ता मण्डल

नियन्ता	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	श्री नन्दन शर्मा
	श्री सुबोध कुमार मिश्र
	डॉ. संजय कुमार तिवारी
	श्री प्रकाश प्रियदर्शी
	डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह
	डॉ. अजय बहादुर सिंह

छात्र नियन्ता मण्डल

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री सन्नी कुमार साहनी	बी.ए. भाग-दो
सुश्री मिनाक्षी शर्मा	बी.ए. भाग-तीन
श्री अमित कुमार गुप्ता	बी.ए. भाग-तीन
श्री आशीष राय	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री किरन चौहान	बी.ए. भाग-दो
श्री किसन देव निषाद	बी.ए. भाग-दो
सुश्री शशि गुप्ता	बी.ए. भाग-दो
सुश्री अराधना वर्मा	बी.ए. भाग-दो

प्रवेश समिति

संयोजक	डॉ. विजय कुमार चौधरी
सदस्य	डॉ. आर.एन. सिंह
	डॉ. शिव कुमार बर्नवाल
	डॉ. शालिनी सिंह
	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
	डॉ. राजेश कुमार शुक्ल
	श्री नन्दन शर्मा
	डॉ. राम सहाय
	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
	सुश्री मनीता सिंह
	श्रीमती शालिनी चौधरी

चक्रानुक्रम में महाविद्यालय के
सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

प्रवेश समिति सदस्य (छात्र/छात्राएं)

छात्र का नाम	कक्षा
सुश्री शबनम बानो	बी.ए. भाग-एक
श्री आनन्द कुमार चौरसिया	बी.ए. भाग-एक
श्री यशवन्त कुमार मौर्या	बी.ए. भाग-एक
सुश्री ममता चौहान	बी.ए. भाग-दो
श्री राकेश गुप्ता	बी.ए. भाग-दो
श्री सुजीत कुमार गुप्ता	बी.ए. भाग-दो
सुश्री ज्योति सिंह	बी.ए. भाग-तीन
श्री गौरव सिंह	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री प्रिया वर्मा	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री प्रियंका चौहान	बी.एस.सी.(बायो) भाग-एक
सुश्री निखिता सिंह	बी.एस-सी.(मैथ) भाग-एक
श्री गीता सिंह	बी.एस-सी.(बायो) भाग-एक
श्री अनिल कुमार सिंह	बी.एस-सी.(बायो) भाग-दो
श्री मणि भूषण राव	बी.एस-सी.(मैथ) भाग-दो
श्री धीरज कुमार शर्मा	बी.एस-सी.(मैथ) भाग-दो
श्री सिकन्दर पटेल	बी.एस-सी.(मैथ) भाग-तीन
श्री शुभम् पाण्डेय	बी.काम. भाग-एक
सुश्री श्वेता मौर्या	बी.काम. भाग-एक
श्री उमा सिंह	बी.काम. भाग-दो
श्री ऋषिकेश तिवारी	बी.काम. भाग-दो
श्री भीम मौर्या	बी.काम. भाग-दो
श्री प्रमोद कुमार गुप्ता	बी.काम. भाग-तीन

प्रवेश समिति में उन छात्र-छात्राओं को चयनित किया जाता है जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

प्रयोगशाला छात्र समिति

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री ऋचा शुक्ला	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री आकाश उपाध्याय	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री गरिमा मिश्रा	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री कृष्णम	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री अर्चना गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री विजय प्रताप मझानी	एम.एस-सी. भाग-एक

छात्रा समिति

सुश्री मनीता सिंह

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, भौतिकी, प्रभारी छात्रा समिति, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री निखिता सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री गीता सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री ममता चौहान	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. भाग-दो

स्वच्छता छात्र समिति

श्रीमती शालिनी चौधरी

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री नम्रता मल्ल	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री आराधना सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री रूक्मणि मिश्रा	बी.ए. भाग-दो
श्री अरविन्द कुमार	बी.काम. भाग-एक

क्रीड़ा छात्र समिति

डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
उपप्राचार्य, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री सुशील कुमार सिंह	बी.ए. भाग-एक
श्री संदीप प्रजापति	बी.ए. भाग-एक
श्री फजले अख्तर	बी.ए. भाग-एक
श्री सुजीत प्रजापति	बी.ए. भाग-एक
श्री अहमद हुसैन	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री दयाराम निषाद	बी.ए. भाग-दो
श्री अनुपम त्रिपाठी	बी.काम. भाग-तीन

छात्र सांस्कृतिक [illegible]

श्रीमती [illegible]
उपप्राचार्य, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री नलिनी शर्मा	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री शीबा वर्मा	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री नन्दिनी गुप्ता	बी.ए. भाग-एक
सुश्री सुमन प्रजापति	बी.ए. भाग-एक
श्री सूरज कुमार पाल	बी.ए. भाग-एक
सुश्री ममता प्रजापति	बी.ए. भाग-एक

पुस्तकालय छात्र समिति

डॉ. अमित कुमार मिश्र
उपप्राचार्य, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री ऋषिकेश तिवारी	बी.काम. भाग-तीन
श्री चन्द्रेश कुमार	बी.ए. भाग-एक
श्री जश्वन्त कुमार मौर्या	बी.ए. भाग-दो
सुश्री नीता कुमारी	बी.ए. भाग-एक
श्री गौरव कुशवाहा	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री करिश्मा निषाद	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री राहुल सिंह	बी.ए. भाग-एक

बागवानी छात्र समिति

डॉ. प्रदीप कुमार राव
प्राचार्य, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री नीरज खेतान	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री आंचल कर्ण	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री चक्रधर चौधरी	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री रमेश सिंह	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री सुजीत कुमार गुप्त	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री श्रीभावती	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री कादम्बरी	एम.ए. अंतिम वर्ष

प्रार्थना छात्र समिति

श्री सुबोध कुमार मिश्र
उपप्राचार्य, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. भाग-दो
सुश्री रूपांजलि	बी.ए. भाग-दो
श्री आशीष राय	बी.ए. भाग-तीन
श्री विवेक कुमार भारती	बी.एस-सी. भाग-एक

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष
महन्त योगी आदित्यनाथ जी, प्रबन्धक	सदस्य
प्रो. यू.पी. सिंह, बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह, बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. शेर बहादुर सिंह, बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री राहुल कुमार शर्मा, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
डॉ. टी.एन. मिश्रा, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. आर.एन. सिंह, शिक्षक	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. शालिनी सिंह, शिक्षक	सदस्य
डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, अनुशासन	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, समन्वयक/सचिव	सदस्य

नेपाल शोध एवं अध्ययन के

अध्यक्ष	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज	
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. शशि कान्त सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमा (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नयी दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
शोध अध्येता	सुश्री शालिनी चौधरी
शोध सहायक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू.पी. सिंह, प्रो. शिवाजी सिंह प्रो. कपिल कपूर, डॉ. सन्तोष शुक्ला प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा प्रो. मुरली मनोहर पाठक, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

महाविद्यालय परिवार

अध्यक्ष

प्रो. यू.पी. सिंह

पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

प्रबन्धक

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज

सदर सांसद, गोरखपुर

प्राचार्य

डॉ. प्रदीप कुमार राव

डॉ. विजय कुमार चौधरी, भूगोल विभाग; डॉ. रघुवीर नारायण सिंह, जन्तु विज्ञान विभाग; डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, रसायन शास्त्र विभाग; डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, राजनीति शास्त्र विभाग; डॉ. शालिनी सिंह, रसायन शास्त्र विभाग; श्री लोकेश कुमार प्रजापति, प्राचीन इतिहास विभाग; श्री अखिलेश दूबे, अर्थशास्त्र विभाग; श्रीमती कविता सक्सेना, अंग्रेजी विभाग; डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, वनस्पति विज्ञान विभाग; डॉ. प्रवीन्द्र कुमार, भूगोल विभाग; श्री प्रकाश प्रियदर्शी, समाज शास्त्र विभाग; डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, वाणिज्य विभाग; डॉ. आरती सिंह, हिन्दी विभाग; श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, गणित विभाग; श्री नन्दन शर्मा, वाणिज्य विभाग; श्री सुभाष गुप्ता, वाणिज्य विभाग; डॉ. सुधांशु शेखर सिंह, रक्षा अध्ययन विभाग; सुश्री मनीषा सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग; श्री सुबोध कुमार मिश्र, प्राचीन इतिहास विभाग; डॉ. आरती सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग; डॉ. मुरली मनोहर त्रिपाठी, प्राचीन इतिहास विभाग; डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, इतिहास विभाग; डॉ. सुनील कुमार मिश्र, अर्थशास्त्र विभाग; डॉ. राम सहाय, रसायन शास्त्र विभाग; डॉ. वीरेन्द्र तिवारी, कम्प्यूटर साइंस विभाग; श्री प्रखर वैभव, इलेक्ट्रानिक्स विभाग; सुश्री आम्रपाली वर्मा, वनस्पति विज्ञान विभाग; श्री प्रतीक दास, गणित विभाग; श्री विनय कुमार सिंह, जन्तु विज्ञान विभाग; डॉ. शशिकान्त सिंह, रक्षा अध्ययन; डॉ. अजय बहादुर सिंह, अर्थशास्त्र विभाग; डॉ. संजय कुमार तिवारी, कम्प्यूटर साइंस विभाग; श्री प्रदीप कुमार वर्मा, रसायन शास्त्र विभाग; डॉ. अमित कुमार मिश्रा, भौतिक विज्ञान विभाग; सुश्री प्रियंका मिश्रा, रसायन शास्त्र विभाग; सुश्री पूनम, समाज शास्त्र विभाग; डॉ. राजेन्द्र तिवारी, सांख्यिकी विज्ञान; श्री शिव प्रसाद शर्मा, लाइब्रेरियन

श्री सुभाष कुमार	आफिस अधीक्षक
श्री लक्ष्मीकान्त दूबे	सहायक आफिस अधीक्षक
श्री संजय कुमार शर्मा	कम्प्यूटर आपरेटर
श्री शारदानन्द पाण्डेय	कम्प्यूटर आपरेटर
श्री प्रदीप यादव	प्रयोगशाला सहायक, वनस्पति विज्ञान विभाग
श्री झब्बर शर्मा	प्रयोगशाला सहायक, मनोविज्ञान विभाग
श्री ओम प्रकाश	प्रयोगशाला सहायक, रसायन शास्त्र विभाग
श्री संतोष श्रीवास्तव	प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान विभाग
श्री राम उमेश साहनी	प्रयोगशाला सहायक, जन्तु विज्ञान विभाग
श्री अमित कुमार	प्रयोगशाला सहायक, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
श्री महेश कुमार	प्रयोगशाला सहायक, रसायन शास्त्र विभाग
श्री रामरतन	प्रयोगशाला सहायक, भूगोल विभाग
श्री विकास शुक्ला	प्रयोगशाला सहायक, सांख्यिकी विभाग
श्री संतोष कुमार	प्रयोगशाला सहायक, इलेक्ट्रानिक्स विभाग
श्री विनय मिश्रा	प्रयोगशाला सहायक, रक्षा अध्ययन विभाग

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम एवं राष्ट्रगान के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्‌बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- १६ जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- १ अगस्त से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजन
- १० फरवरी तक पाठ्यक्र
- क्रियान्वयन।
- १६ अगस्त से प्रयोगशाला
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्ब
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्र
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक
- शनिवार को स्वैच्छिक श्रम
- सप्ताह में एक दिन छात्र-
- छात्र-छात्राओं का मासिक
- महाविद्यालय प्रशासन में
- नियन्ता मण्डल, पुस्त
- सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि
- प्रत्येक सोमवार एवं कार्यद
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्ष
- प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।

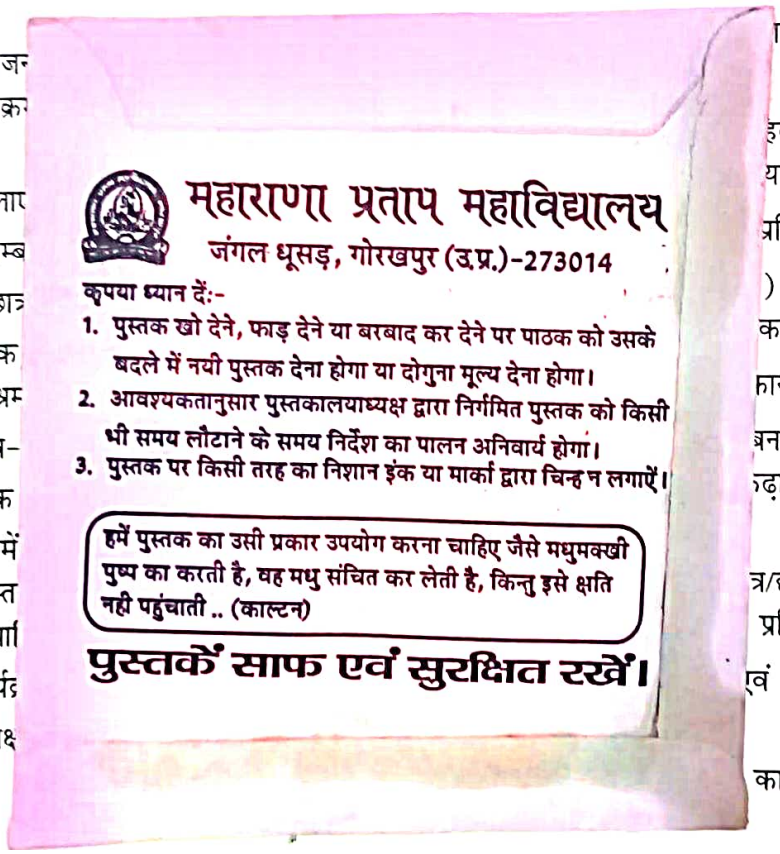

- ावक एवं पुरातन छात्र
- इक युगपुरूष ब्रह्मलीन यान माला।
- प्रतियोगिता।
-) एवं 'मानविकी' काओं का प्रकाशन।
- ार्यशाला का आयोजन।
- बन हेतु योगीराज बाबा ढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का
- त्र/छात्राओं एवं ग्रामीण प्रशिक्षण।
- वं अध्ययन केन्द्र का
- का संचालन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरों के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं ....

पुत्र/पुत्री श्री/श्रीमती ....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य । इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त वर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूँगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का नि करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बन हूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा